कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 133 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 नवंबर 2025 रविवार

आज का मौसम
24 अधिकतम
6.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बिहार में आगे की राह... गेंद नीतीश के पाले में, अमित शाह का भी इम्तिहान

क्या नीतीश बाबू के ही सहारे आगे बढ़ेगी एनडीए की नैया?

बिहार में एनडीए की शानदार और जानदार जीत के बाद लाख टके का सवाल यही है कि पटना में आगे अब क्या होगा ?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

नीतीश बाबू ही नहीं बिहार की 23 नवंबर के पहले बनने वाली सरकार अमित शाह के लिए भी बड़े इम्तिहान की घड़ी है जो मोदी और नीतीश कुमार के साथ बिहार में एनडीए की बड़ी जीत के शिल्पकार के बतौर उभरे हैं । अपनी पार्टी के सीटों के आंकड़े को 84 तक पहुंचाने के बाद नीतीश क्या रुख अपनाएंगे ? एक विजेता के तौर पर उभरने के बाद वे सम्मानजनक रूप से पद छोड़ेंगे या फिर दसवीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे ? किसी भी महान शख्स के सामने ऐसे हालात में विकल्प रहता है कि वह तब विदाई ले ले जब वह बुलंदियों के शिखर पर हो। पूरे चुनाव अभियान के दौरान अपनी मौजूदा पारी के दौरान अपनी मानसिक सेहत और शारीरिक अवस्था को ध्यान में रखते हुए नीतीश के सामने भी विकल्प है कि वे खुद सीएम पद नहीं लेने का एलान कर दें । ऐसा वे करते हैं तो इतिहास के पन्नों में उनका नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो जाएगा। उनके सामने अपनी पार्टी से ही किसी और साथी का नाम आगे बढ़ाने या सूबे के नए मुखिया के बतौर चयन का काम एनडीए पर छोड़ने का विकल्प है । वह स्वयं सीएम बनते हैं तो भी एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी को कोई ऐतराज नहीं हो सकता। कुल मिलाकर गेंद नीतीश बाबू के ही पाले में है कि वो क्या फैसला करते हैं । यदि वह सीएम बने तो अगले कार्यकाल के दौरान वो मजबूत सीएम के बजाय मजबूर नेता बने रहेंगे । लेकिन बड़ा सवाल यह है कि वे खुद इसकी पहल करेंगे या जेडीयू के नेता उन्हें ऐसा करने देंगे ?

दोनों ही स्थितियों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भूमिका अहम रहने वाली है । धर्मेंद्र प्रधान जैसे कुशल प्रबंधक के बावजूद चुनाव में बिहार में डेरा डालकर एनडीए को नया मुकाम देने वाले अमित शाह अब दिल्ली में बिहार की भावी सरकार में अलग किरदार निभाने की जुगाड़ में जुट गए हैं । हालांकि सब जानते हैं की मोदी- शाह के मन की थाह लेना सियासी पंडितों के लिए सदा टेढ़ी खीर है । इन दोनों की सोच वहाँ से शुरू होती है जहाँ जाकर लोगों के कयास की क्षमता चुक जाती है।

जाहिर है कि ऐसे में तमाम सवालों के जवाब मोदी-शाह के अलावा अगर किसी तीसरे के पास हो सकते हैं तो वे बेशक नीतीश बाबू ही हैं। नीतीश कुमार की सियासी फितरत को भी समझ पाना आसान नहीं है । हांलाकि मौजूदा हालत में एनडीए के दोनों घटक दलों को जनता ने जीत के जो नंबर दिए हैं उसके बाद किसी और विकल्प पर सोचने की जरूरत नहीं है। अब बात सिर्फ मुख्यमंत्री बनने की ही नहीं बल्कि उन वादों को पूरा करने की भी है जिनके बूते एनडीए ने धमाकेदार जीत दर्ज की है । यह सब जानते हैं की बिहार की मौजूदा माली हालत को देखते हुए केंद्र की मोदी सरकार की मदद के बगैर वाडे पूरे करना मुमकिन नहीं। इसलिए सीएम से लेकर मंत्रियों के चयन में मोदी और शाह की प्रमुख भूमिका को नकारा नहीं जा सकता । दिल्ली के हाथ में बिहार के भविष्य की बागडोर है, इसलिये सभी को इंतज़ार करना होगा कि पटना की सरकार कैसे चलेगी । दिल्ली के सामने बंगाल और कई अन्य राज्यों के चुनाव की चुनौती है, जहां दांव पर बीजेपी की साख है। इसलिए बस थोड़ा इंतजार कीजिए और देखिए आगे होता है क्या ?

न्यूज विंडो

खड़ी ट्रॉली से टकराई कार पांच युवकों की दर्दनाक मौत

ग्वालियर, एजेंसी। एक दर्दनाक सड़क हादसे में फॉर्च्यूनर कार में सवार 5 युवकों की मौत हो गई। यह भीषण हादसा सिरोल थाना क्षेत्र के ग्वालियर-झांसी नेशनल हाईवे पर हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फॉर्च्यूनर कार झांसी की दिशा से ग्वालियर की ओर आ रही थी। हाईवे पर अचानक कार अनियंत्रित हो गई और तेज रफ़्तार से सड़क किनारे खड़ी रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसके परखच्चे उड़ गए।

सुरक्षाबलों से मुठभेड़, तीन नक्सलियों को मार गिराया

सुकमा, एजेंसी। जिले के भेज्जी-चिंतागुफा के बीच घने जंगलों में डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। शुरुआती जानकारी के अनुसार तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। इस समय दोनों ओर से फायरिंग रुक-रुककर जारी है। डीआरजी जवानों की टीम क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकली थी, तभी नक्सलियों ने घात लगाकर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मुस्तैदी से जवाब दिया, जिसके बाद मुठभेड़ तेज हो गई।

अंदर खास

करारी हार के बाद लालू परिवार में भूचाल : पेज 8

आज का कार्टून

गंभीरता पर सवाल : जांच की धीमी रफ्तार के कारण अभी भी बनाया जा रहा है घातक कफ सिरप

पांच कंपनियों को प्रोडक्शन रोकने के आदेश, एक का लायसेंस सरेंडर

बच्चों की मौत के दो महीने बाद भी 32 में से सिर्फ 7 कंपनियों की हो सकी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोल्डरिफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के बाद प्रदेश की दवा निर्माण व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस घटना के चलते प्रदेश की सभी 32 कफ सिरप निर्माण कंपनियों की जांच शुरू कर दी गई है। अब तक 7 कंपनियों की जांच पूरी हो चुकी है, जिनमें से 5 पर खराब गुणवत्ता के कारण उत्पादन रोकने की कार्रवाई की गई है। एक कंपनी ने अपनी अनुमति खुद ही सरेंडर कर दी है। यह जांच मध्य प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग केंद्रीय औषधि विभाग सब-जोन इंदौर के साथ मिलकर कर रहा है।

इन कंपनियों को मिला नोटिस

जिन कंपनियों को नोटिस मिला है उनमें मेसर्स सेजा फार्मूलेशंस, इंदौर; मेसर्स विशाल फार्मास्यूटिकल्स लेबोरेटरी; मेसर्स सामकेम, इंदौर; मेसर्स विलक्योर (लाइसेंस रद्द कर दिया गया है); मेसर्स शील केमिकल्स, ग्वालियर; मेसर्स एडकॉल लैब, इंदौर; और मेसर्स मॉर्डन लेबोरेटरी, इंदौर शामिल हैं। इंदौर की फर्म मेसर्स एडकॉन लैब ने तो दवा बनाने की अनुमति खुद ही वापस कर दी, जिसके बाद उसका लाइसेंस रद्द कर दिया गया।

अथॉरिटी के पास संसाधन नहीं

मध्य प्रदेश में दवाओं की जांच करने वाली एजेंसी, मध्य प्रदेश फूड एंड ड्रग अथॉरिटी के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। यही वजह है कि 32 कंपनियों में से केवल 7 की जांच ही अब तक पूरी हो पाई है। प्रदेश में लगातार सैंपल लिए जा रहे हैं और उन्हें ईदगाह हिल्स पर मौजूद लैब में जमा किया जा रहा है। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ सैंपल इकट्ठा हो रहे हैं। इनकी जांच कब होगी और रिपोर्ट कब आएगी, इसकी जानकारी अधिकारियों को भी नहीं है।

लगातार चल रही जांच प्रक्रिया

एमपी एफडीए के ड्रग कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने कहा, जांच की प्रक्रिया लगातार जारी है। सीमित संसाधन होने के कारण रिपोर्ट्स आने में समय लगता है। हम अपनी तरह से लगातार जरूरी प्रक्रिया को अपना रहे हैं। यह स्थिति दवा निर्माण व्यवस्था में सुस्ती और बाजार में नकली दवाओं के पहुंचने की ओर इशारा करती है। बच्चों की मौत के बाद हुई इस जांच ने दवा कंपनियों के मानकों और नियामक एजेंसियों के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

निवेश से रोजगार की राह

आठ हजार करोड़ के सोलर प्लांट का मक्सी में भूमिपूजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के उज्जैन संभाग में निवेश और रोजगार को लेकर आज एक नई शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाजापुर के मक्सी के पास बरंडवा में प्रसिद्ध जैक्सन ग्रुप के 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक के मेगा सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट का भूमिपूजन कर रहे हैं। इसी मौके पर छह अन्य औद्योगिक इकाइयों का भी भूमिपूजन और लोकार्पण हो रहा है । इन सभी परियोजनाओं से प्रदेश में कुल 8 हजार 174 करोड़ रुपये का निवेश आने की उम्मीद है। साथ ही 4 हजार 330 से अधिक लोगों को सीधे रोजगार मिलने की सम्भावना बनेगी। मुख्यमंत्री शाजापुर में 384 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 4-लेन मक्सी मार्ग और मक्सी क्षेत्र शहरी मार्ग का भी शिलान्यास करेंगे। इससे ट्रांसपोर्ट बेहतर होगा और उद्योगों को फायदा होगा। इससे क्षेत्र में विकास के साथ अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। सरदार वल्लभ भाई पटेल सांदीपनि विद्यालय की शुरुआत भी होगी । इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएँ मिलेंगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को राहत राशि भी देंगे। उल्लेखनीय है की सरकार ने साल 2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष घोषित किया है।

भोपाल में पारा 6.4° टूटेगा 84 साल का रिकॉर्ड

भोपाल

पहाड़ों की बर्फबारी के असर से मध्यप्रदेश में नवंबर की सर्दी रिकॉर्ड तोड़ रही है। भोपाल में रात का पारा 0.3 डिग्री लुढ़कते ही 84 साल का रिकॉर्ड टूट जाएगा। शनिवार-रविवार की रात यहां पारा 6.4 डिग्री दर्ज किया गया। ओवरऑल रिकॉर्ड 30 नवंबर 1941 में 6.1 डिग्री का है। इंदौर में भी पारा 6.4 डिग्री ही रहा। यहां भी सीजन की सबसे सर्द रात रही। 25 साल में पहली बार पारा इतना लुढ़का है।

जबलपुर में भी इस सीजन की सबसे सर्द रात रही। पहली बार पारा 8.5 डिग्री पर आया। उज्जैन में 10.5 डिग्री और ग्वालियर में 10.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीती रात प्रदेश के सभी शहरों में पारे में खासी गिरावट हुई। शुक्रवार-शनिवार की रात इंदौर में पारा 9.6 डिग्री रहा था, जो बीती रात 6.4 डिग्री पर आ गया। यानी, एक ही रात में पारा 3.2 डिग्री लुढ़क गया। भोपाल-धार में 1.6 डिग्री, नर्मदापुरम, जबलपुर, मंडला-उज्जैन में 1.2 डिग्री, सिवनी में 1 डिग्री, उमरिया में 1.1 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

सोनभद्र खदान से तीन मजदूरों के शव निकाले

अभी भी अंदर दबे हुए हैं 15 लोग

सोनभद्र/ओबरा, एजेंसी

यूपी के सोनभद्र में ओबरा के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में खदान घंसने से दबे 18 में से तीन मजदूरों के शव बरामद हो गए हैं। अब भी 15 मजदूर अंदर दबे हुए हैं। खदान में पानी भरा होने और रास्ता ठीक न होने के कारण मलबा हटाने ने दिक्कत हो रही है। रास्ता बनाने के कार्य में मशीनें लगाई गई। मलबा स्थल तक पहुंचने के लिए पत्थर, गिट्टी डालकर रास्ता बनाया गया है। सीएम योगी के निर्देश पर आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। एडीजी जोन की मौजूदगी में पूरी रात रेस्क्यू आपरेशन चलता रहा। सुबह चार बजे मलबे से पहला शव निकाला गया। उसकी पहचान राजू सिंह पुत्र त्रिवेणी सिंह के रूप में हुई है।फिलहाल खनन क्षेत्र में जाने वाले सभी रास्तों को पुलिस ने बंद किया है।

संडे एंकर

मोहन यादव की सादगी... पहली बार ऐसे कार्यक्रम में होगी किसी मुख्यमंत्री के बेटे की शादी

सामूहिक समारोह में इशिता संग सात फेरे लेंगे डॉ. अभिमन्यु

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक अनूठी पहल करते हुए सादगी और सामाजिक समानता की मिसाल पेश की है। उनके छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी खरगोन की डॉ. इशिता से किसी भव्य निजी समारोह में नहीं, बल्कि आगामी 30 नवंबर को उज्जैन में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में होगी। यह पहला मौका है, जब किसी सेवारत मुख्यमंत्री के बेटे की शादी इस तरह के सामूहिक कार्यक्रम में होने जा रही है।

बता दें कि डॉ. यादव बड़े बेटे की शादी में भी फिजूलखर्ची और शाही शादियों की परंपरा को तोड़ चुके हैं। डॉ. अभिमन्यु और डॉ. इशिता

उज्जैन में एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में सात फेरे लेंगे। इस समारोह में दोनों के साथ 20 अन्य जोड़े भी परिणय सूत्र में बंधेंगे। बता दें कि डॉ. अभिमन्यु मेडिकल में पीजी की पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी सगाई करीब 5 महीने पहले खरगोन के किसान दिनेश पटेल की बेटी डॉ. इशिता से हुई थी। खास बात यह है कि सीएम की बेटी डॉ. आकांक्षा यादव, दिनेश पटेल की बहू हैं। इस तरह, दोनों परिवारों की बेटियां एक-दूसरे के घर की बहू बन रही हैं।

विवाह समारोह से एक दिलचस्प राजनीतिक कनेक्शन भी जुड़ गया है। खरगोन के दिनेश पटेल, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव के मामा के बेटे हैं। यानी, मध्य प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुभाष यादव, दिनेश यादव के मामा थे। हालांकि यह विवाह पूरी तरह गैर-राजनीतिक और पारिवारिक है, लेकिन दोनों प्रमुख राजनीतिक परिवारों के बीच संबंध तो स्थापित हो ही रहा है।

चुनिंदा मेहमान ही होंगे शामिल

सामूहिक विवाह समारोह में सीएम के बेटे की शादी को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसमें मेहमानों की सूची सीमित ही रखी गई है। यह पारिवारिक और करीबी रिश्तेदारों का आयोजन होगा। इसमें मंत्री और चुनिंदा अफसर व भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल होंगे। विवाह के लिए दो होटल बुक किए गए हैं।

कप्तान शुभमन गिल अस्पताल में भर्ती, कोलकाता टेस्ट से बाहर

पहले टेस्ट में भारत को जीत के लिए 124 रन का टारगेट

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडिया वर्सेस साउथ अफ्रीका पहले टेस्ट के बीच भारतीय टीम को बहुत बड़ा झटका लगा है। कप्तान शुभमन गिल कोलकाता टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने आज सुबह शुभमन गिल की चोट पर ताजा अपडेट दिया। शुभमन गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ बैटिंग करते हुए गर्दन में चोट लगी थी। इस चोट की वजह से उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा था और वह फिर बल्लेबाजी करने के लिए नहीं आए। जब टीम के सभी विकेट गिरने के बावजूद गिल बैटिंग करने नहीं उतरे तो उनकी चोट की गंभीरता का पता चला। अब बीसीसीआई ने उनकी इस चोट पर ताजा अपडेट देते हुए बताया कि वह अस्पताल में भर्ती हैं। कोलकाता में साउथ अफ्रीका के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में चोट लग गई थी।

जयप्रकाश अस्पताल में अव्यवस्था का आलम

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी के प्रमुख सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में शामिल जयप्रकाश अस्पताल इन दिनों अव्यवस्था और लापरवाही का शिकार होता नजर आ रहा है। यहां आने वाले मरीजों और परिजनों को सुविधाओं के नाम पर केवल परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी समस्या लिफ्ट के लंबे समय से बंद पड़े होने की है। बताया जा रहा है कि लिफ्ट में तकनीकी खराबी आने के बाद से उसे दुरुस्त करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की गई जिसके कारण बुजुर्ग मरीज, गर्भवती महिलाएं और गंभीर रोगी सीढ़ियों के सहारे मंजिलों तक पहुंचने को मजबूर हैं। इसके अलावा अस्पताल परिसर में कई जगह दीवारें टूटी हुई दिखाई देती हैं, जिन पर सीलन और दरारें साफ देखी जा सकती हैं। यह न सिर्फ अस्पताल की जर्जर स्थिति को दिखाता है बल्कि गंभीर हादसे का खतरा भी पैदा करता है। स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यहां कई हिस्सों में गंदगी जमी हुई है। कुछ जगहों पर लोगों द्वारा गुटखा और तंबाकू थूकने के दाग दीवारों पर साफ नज़र आते हैं, लेकिन इस पर रोकथाम या सफाई को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं दिखती। मरीजों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन से कई बार शिकायत करने के बाद भी सफाई, मरम्मत और सुविधाओं की बहाली की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

1

2
बंद पड़ी लिफ्ट

3
टूटी पड़ी कुर्सियां

भोपाल की 10 लेन सड़क पर सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल

NHAI ने निगम से मांगा वेस्ट, नौ हजार पेड़ों की कटाई की वजह से अभी रुका काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के पहले 10 लेन अयोध्या बायपास प्रोजेक्ट में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) करीब 10 लाख टन सूटेबल सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल करेगा। इसके लिए भोपाल नगर निगम से डिमांड भी की गई है। हालांकि, प्रोजेक्ट 9000 पेड़ों की कटाई की वजह से रुका हुआ है। एनएचएआई अफसरों का कहना है कि जब तक पेड़ काटने की अनुमति नहीं मिलती, तब तक प्रोजेक्ट रुका रहेगा। यह सेंट्रल का प्रोजेक्ट है। पिछले साल दिसंबर में अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनएचएआई ने पेड़ काटने की सभी सरकारी अनुमति भी लेना थी, क्योंकि बायपास चौड़ीकरण का काम करने वाली एजेंसी और एनएचएआई के बीच जो अनुबंध हुआ है, उसके अनुसार पेड़ कटाई जैसी सरकारी अनुमतियां दिलाना एनएचएआई की जिम्मेदारी ही है।

11 अगस्त तक पेड़ कटाई की अनुमति मिलने और फिर काम शुरू होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी बीच पेड़ कटाई का मामला एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल) में चला गया। इसके बाद एक अन्य मामले में एनजीटी ने आदेश दे दिया कि शहरों में कहीं भी 25 से अधिक पेड़ काटने की अनुमति हाई लेवल कमेटी देगी। इसके बाद नगरीय विकास विभाग के एसीएस संजय शुक्ला की अध्यक्षता में हाई लेवल कमेटी का गठन हो गया। कमेटी की अब तक दो मीटिंग हो चुकी है और तीसरी मीटिंग भी होने वाली है। बैठकों में अयोध्या प्रोजेक्ट के पेड़ कटाई का प्रस्ताव आया, लेकिन मंजूरी नहीं मिली। अब तीसरी मीटिंग में मंजूरी के कयास लगाए जा रहे हैं।

हर रोज लाखों रुपए की पैनल्टी: शर्तों के मुताबिक, एनएचएआई को हर महीने लाखों रुपए की पैनल्टी टेंडर लेने वाली कंपनी को चुकाना पड़ रही है। अनुमति नहीं मिलने पर अफसरों का कहा है कि तीसरी मीटिंग में यदि अनुमति नहीं मिली या फिर देरी होती है तो एनएचएआई इसे निरस्त भी कर सकता है। बता दें कि आम तौर पर एनएचएआई शहर के भीतर के प्रोजेक्ट करता ही नहीं है, लेकिन राज्य सरकार के अनुरोध पर इस पर काम शुरू हुआ था।

इसी साल अगस्त में कॉन्ट्रैक्ट

एनएचएआई के मुताबिक, दिसंबर 2024 में टेंडर फाइनल हुआ। 11 अगस्त 2025 को कॉन्ट्रैक्ट हो गया। कंपनी ने कैंप ऑफिस और मशीनें खड़ी कर दीं। बिजली-पोल और पाइप लाइन शिफ्टिंग की तैयारी हो गई, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ।

प्रोजेक्ट से यह फायदा

शहरी ट्रैफिक के अलावा विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम और इंदौर से आने-जाने वाला भारी ट्रैफिक इसी पर चलता है। बायपास पर अक्सर जाम और हादसे होते हैं। 10 लेन सड़क बनने से हर रोज लाखों राहगीरों को बड़ा फायदा मिलेगा। इस लेन पर 3 बड़े फ्लाईओवर, करोंद, पीपुल्स मॉल और मीनाल के पास बनेंगे। कुल लागत 836.91 करोड़ रुपए है और 2 साल में काम पूरा होना है। बायपास करीब 16 किलोमीटर लंबा है।

यदि प्रोजेक्ट शुरू होता है तो सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल

यदि सड़क के लिए पेड़ों की कटाई का मामला सुलझता है तो इस पर 10 लाख टन सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल करेगा। इसे लेकर कुछ समय पहले ही एनएचएआई ने निगम को मांग पत्र दिया था। रोड में गैप फिलिंग और साइड फीलिंग के लिए सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल होगा। इस प्रोजेक्ट से आदमपुर खंती में कचरे के पहाड़ भी खत्म होने का अनुमान है।

निरीक्षण हुआ पूरा: नवंबर के आखिर तक पटरी पर आ सकती है अपनी मेट्रो

सर्वे टीम ने सुभाष नगर डिपो से एम्स तक परखा सिस्टम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मेट्रो प्रोजेक्ट का मेट्रो रेल कमिश्नर द्वारा सर्वे पूरा कर लिया गया है। तीन दिवसीय सर्वे में तकनीकी दल ने सुभाष नगर मेट्रो डिपो से एम्स अस्पताल तक बन रहे रेलवे ट्रेक मेट्रो स्टेशन, ब्रिज सहित अन्य तकनीकी स्ट्रक्चर की बारीक जांच पड़ताल की। शनिवार को आखिरी दिन मेट्रो रेल सेटी टीम ने डीआरएम, ऑफिस, एस और अलकापुरी मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। यहां मिली खामियों को टीम ने जल्द दूर करने के निर्देश दिए हैं। उम्मीद की जा रही है कि अक्टूबर में शुरू होने वाली हमारी मेट्रो ट्रेन नवंबर के आखिरी तक पटरी पर आ जाएगी। इससे पहले प्रायोरिटी कॉरिडोर के पांच स्टेशन सुभाष नगर, केंद्रीय स्कूल, निजी मॉल, एमपी नगर और रानी कमलापति का निरीक्षण शुक्रवार को किया गया था।

सर्वे में पूरा किया गया तकनीकी राउंड

सीएमआरएस की टीम भोपाल पहुंची। फिर डिपो, एस स्टेशन तक ट्रैक,सिग्नलिंग और सुरक्षा पैमानों पर जांच की। आरकेएमपी पर पानी गिराकर ट्रैक लेवल भी चेक किया गया। सुभाषनगर डिपो में पूरे प्रोजेक्ट की रिपोर्ट भी देखी थी। पहले दिन करीब 8 घंटे तक दौरा चलता रहा। टीम ने मेट्रो ट्रेन में बैठकर ही सुभाषनगर, केंद्रीय स्कूल और रानी कमलापति स्टेशन तक ब्रेकिंग सिस्टम जाना। इस दौरान मेट्रो में कमिश्नर सेनगुप्ता भी मौजूद रहे। सुभाषनगर डिपो में भी जरूरी जानकारी ली। डीआरएम और एस के कॉरिडोर के तकनीकी निर्माण का काम देखा गया। अधूरे निर्माण को जल्द पूरा करने कहा गया।

दो साल पहले बनी बीयू की लैंग्वेज लैब में ताला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के भाषा विभाग में छात्रों को आधुनिक तकनीक से भाषाएं सिखाने के लिए लगभग दो साल पहले हाईटेक लैंग्वेज लैब तैयार कर दी गई थी, लेकिन लैब आज भी बिना उपकरणों के बंद पड़ी है। स्थिति यह है कि करीब 54 लाख खर्च करने के बाद भी लैब में ट्रेनिंग शुरू नहीं हो सकी। विश्वविद्यालय के लैंग्वेज एंड लिंग्विस्टिक स्टडीज विभाग में वैसे ही छात्रों की संया बेहद कम है। कई कोर्स तो 1 या 2 विद्यार्थियों के भरोसे ही चल रहे हैं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मुताबिक लैब की बिल्डिंग का काम काफी समय पहले पूरा कर लिया गया था। दो साल पहले उच्च शिक्षा मंत्री ने इसका उद्घाटन भी किया था, लेकिन आवश्यक उपकरण न आने की वजह से लैब अब तक शुरू ही नहीं हो सकी है। यह लैब इस तरह डिजाइन की गई है कि सामान्य विद्यार्थियों के साथ दिव्यांग छात्रों को भी भाषा सीखने में सहायता मिले।

विवाह पंजीयन होंगे ऑनलाइन, अभी वर-वधु को जाना पड़ता है निगम के दफ्तर

अब नहीं कराना होगा फिजिकल वेरिफिकेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के बाद अब विवाह पंजीयन भी पूरी तरह ऑनलाइन होंगे। मौजूदा स्थिति में आवेदन ऑनलाइन हो जाते हैं, लेकिन वर-वधु और उनके अभिभावक आदि को फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए नगर निगम दफ्तर जाना पड़ता है।

अब निगम प्रशासन फिजिकल वेरिफिकेशन की ऐसी व्यवस्था करने जा रहा है, जिसमें कुछ विशेष परिस्थितियों को छो? कर वर-वधु आदि को दफ्तर न आना प?। दरअसल, भोपाल में नगर निगम के माता मंदिर स्थित दफ्तर में हर

साल 8000 से अधिक विवाह पंजीयन हो रहे हैं। यहां वर-वधु और उनके परिजनों की भीड़ लगी रहती है।

प्रमाण पत्र भी ऑनलाइन

दस्तावेज, फोटो और फीस ऑनलाइन जमा होगी। रजिस्ट्रार स्टाफ दस्तावेजों का परीक्षण कराएंगे। धर्म अलग होने, अन्य शहर से भोपाल आकर शादी करने या विशेष परिस्थितियों में ही फिजिकल वेरिफिकेशन होगा। सामान्य स्थिति में ऑनलाइन वेरिफिकेशन और प्रमाण-पत्र भी ऑनलाइन मिलेंगे। विवाह पंजीयन का काम ऑनलाइन कैसे हो, इस पर विचार कर रहे हैं। जल्द सुविधा शुरू करेंगे। इससे लोगों को निगम आने की जरूरत नहीं होगी।

बेंगलुरू के लिए वीकेंड पर इंडिगो की एक और उड़ान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल से बेंगलुरू के जाने वाले हवाई यात्रियों को अब इस रूट पर एक और उड़ान मिल रही है। इंडिगो आज से हर शनिवार और रविवार को भोपाल-बेंगलुरू के लिए 186 सीटर फ्लाइट का संचालन शुरू कर रही है। अभी इस रूट पर इंडिगो ही दो फ्लाइट संचालित कर रही है। दोनों फ्लाइट्स में यात्रियों के लिए 418 सीटें रोजाना उपलब्ध होती हैं। वीकेंड पर 186 सीटर प्लेन बढ़ने से दो दिन इस रूट के लिए 604 सीटें उपलब्ध हो सकेंगी। अभी बेंगलुरू की सुबह की फ्लाइट में 8764 रुपए, जबकि शाम की फ्लाइट में 7700 रुपए औसत किराया लगता है। नई फ्लाइट का किराया भी 7700 रुपए रखा गया है। ट्रैवल एजेंट्स का मानना है कि 186 सीटें बढ़ने से किराये में 5 से 10 फीसदी तक की कमी भी आ सकती है।

इज्तिमा : 120 एकड़ पंडाल का 90 प्रतिशत हिस्सा भरा

शिरकत के लिए 23 देशों से पहुंचे लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वही कामयाब इंसान है जिसने दूसरों की भलाई में अपनी जिंदगी गुजारी। भलाई करने वाले बनो। वरना दुनिया में आना फिजूल है। इल्म सीखों। नबी ने जो तरीका बताया उसे जानो। अमल करो और दूसरों को भी बताओ। इल्म की कमी दुनिया में फसाद की जड़ है। आलमी तब्लीगी इज्तिमा के दूसरे दिन शनिवार को पांच सेशन हुए। शिरकत करने वालों की संख्या शाम को पांच लाख से पार हो गई। इसमें 23 देशों के लोग भी शामिल रहे। वहीं देश के हर कोने से जमातें पहुंची। सिलसिला अभी जारी है। 17 नवम्बर को सुबह साढ़े दस बजे दुआ होगी। दुआ के बाद समापन होगा। आलमी तबलीगी इज्तिमा में 23 देशों से लोग पहुंचे। इनमें इथोपिया, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका, यूनाइटेंड किंगडम, बर्मा (म्यांमार), श्रीलंका, सउदी अरब, कंबोडिया, इरान, फ्रांस, जॉर्जिया, तुर्की, आयरलैंड, जॉर्डन, ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, ट्यूनिशिया, इजिप्ट आदि देशों के लोग शामिल हैं। वेरिफिकेशन फॉर्म भरने के बाद ये इज्तिमा में शामिल हुए। इनके लिए अलग टेंट बने हैं। जहां अनुवादक है। इस दौरान उलेमा ने मेहनत और यकीन पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि इंसान आम तौर पर उसी चीज़ पर मेहनत करता है जिसे वह अपनी आंखों से होता हुआ देख ले। उन्होंने किसान की मिसाल देते हुए कहा कि किसान सर्दी-गर्मी, बीमारी-तंगी किसी चीज की परवाह नहीं करता।

48 घंटे से चढ़ी यूनानी काढ़े की कढ़ाई

मगरिब की नमाज के बाद मौलाना साद साहब कंधालवी की तकरीर हुई। उन्होंने कहा कि तालीम हमारे दिमाग के दरवाजे खोलती है। नए दौर की टेक्नोलॉजी बेहतरी को फैलाने में मददगार हो सकती है।
काम का मकसद केवल लाई, पूरा करने पूरी मेहनत से काम करो -सुबह फजिर मौलाना सईद साहब के बयान हुए। कहा हर काम का मकसद केवल भलाई हो। यह भलाई इंसानियत हो, मखलूक(यानि पेड़ पौधे, पशु पक्षी) की हो। पूरा करने में पूरी करो। इसकी मुख्य वजह दूसरों का भला करने में ही हम सबकी भलाई है। जोहर की नमाज के बाद मुफ्ती जहूरूल इस्लाम ने कामयाबी के मायने बताए।

मेट्रो एंकर

समन्वय भवन में आकाशवाणी का 67 वां संगीत सम्मेलन

सवाल-जवाब की जुगलबंदी को श्रोताओं ने सराहा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आकाशवाणी द्वारा आयोजित 67 वां आकाशवाणी संगीत सम्मेलन शनिवार को समन्वय भवन भोपाल में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर संगीत की दो प्रतिष्ठित विभूतियों पंडित (डॉ.) संतोष नाहर और डॉ. दीपाली वात्तल ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पिछड़ा वर्ग और अल्पसंयक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में स्टेशन प्रमुख आकाशवाणी भोपाल यशवंत चिवड़े, कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट, दूरदर्शन प्रमुख आशीष पोतनिस, एस.के. श्रीवास्तव, अजीम हाशमी, अब्राहम थॉमस, शुभम तिवारी, विक्रमरंजन सहित आकाशवाणी के अनेक वरिष्ठ अधिकारी

उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भोपाल आकाशवाणी के टॉप ग्रेड कलाकारों को समानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उद्घोषक पुरुषोत्तम श्रीवास और अमिता त्रिवेदी ने किया। संगीत समेलन का शुभारंभ भागलपुर मिश्रा घराने के पंडित (डॉ) संतोष नाहर के सधे हुए वायलिन वादन से हुआ। डॉक्टर नाहर ने राग बिहाग में आलाप जोड़ के बाद मध्यलय गत रूपक ताल और द्रुतलय तीन ताल में प्रस्तुत की। पंडित नाहर ने क्रमानुसार राग की बढ़त मधुरता के साथ, राग स्वर विस्तार अलंकारिक ताने, गमक की प्रस्तुति के साथ द्रुतगत झाले में तबले के साथ सवाल जवाब की जुगलबंदी की जिसको श्रोताओं ने काफी सराहा। डॉ नाहर ने वादन का समापन मिश्र पीलू धुन से किया। तबले पर उस्ताद सलीम अल्लाह वाले रहे।

गजलों की दुनिया में खो गए श्रोता

सुप्रसिद्ध गायिका डॉक्टर दीपाली वात्तल अपनी मधुर एवं भावपूर्ण आवाज में श्रोताओं को गजलों की दुनिया में ले गई। डॉ दीपाली ने गजल - वो जो हममें तुममें करार था तुहें याद हो कि ना याद हो... से अपनी प्रस्तुति का आगाज किया, जिसे श्रोताओं ने तालियों से नवाजा। इसके बाद अपनी पुरकशिश आवाज में डॉक्टर दीपाली ने फैज अहमद फैज का कलाम, दोनों जहां तेरी मोहब्बत में हार के... पेश किया, जिसके सुर दशकों की रूह में उतर गए। है मोहब्बत तो निभाई जाए, शेयर दाग देहलवी और ताहिर फराज का कलम, आप हमारे साथ नहीं चलिए कोई बात नहीं.. को भी लोगों ने बहुत सराहा।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित समारोह में जनजातीय समुदाय के उल्लेखनीय कार्य करने वाली हस्तियों को सम्मानित किया।

आदिवासी क्षेत्र के लिए सरकार की योजना

प्रदेश में अगले साल 5000 छात्रावास अधीक्षकों को भर्ती करने का है प्लान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

जबलपुर में जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अगले साल राज्य में 5000 छात्रावास अधीक्षकों की भर्ती की जाएगी। कार्यक्रम में महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को सम्मानित किया गया और उन्हें एक करोड़ रुपए का चेक सौंपा गया।

सीएम ने कहा कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित सभी कन्या छात्रावास और आश्रम-शालाओं का नामकरण हम रानी दुर्गावती के नाम पर करेंगे। वहीं, बालक छात्रावास और आश्रम-शालाओं का नामकरण राजा शंकरशाह के नाम पर करेंगे।

पीएम मोदी कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े- छतरपुर जिले के घुवारा की रहने वाली क्रांति गौड़ ने महिला वर्ल्ड कप में 9 विकेट लिए थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने कहा कि भारत की महिला टीम में एक जनजातीय बेटी (क्रांति गौड़) ने अहम भूमिका निभाई, जो पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

शाह ने कलाकारों के साथ किया नृत्य

जनजातीय गौरव दिवस समारोह में आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह भी मौजूद रहे। उन्होंने मंच पर पहुंचे कलाकारों के साथ ढोल बजाते हुए डांस किया। कार्यक्रम में शालिनी एप का शुभारंभ भी किया गया, जिसमें जनजातीय समुदाय से जुड़ी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध होगी।

किसानों के लिए अच्छी खबर

अब घर-घर पहुंचेगी खाद विदिशा-जबलपुर और शाजापुर से होगी शुरुआत

भोपाल, दोहपर मेट्रो

विदिशा। ई-टोकन उर्वरक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अब किसानों को एक और सुविधा मिलने जा रही है। खाद की बुकिंग के दौरान ही किसान अब होम डिलीवरी के लिए भी बुकिंग कर सकेंगे। इसके लिए किसान से न्यूनतम किराया लिया जाएगा। हालांकि यह व्यवस्था फिलहाल डबल लॉक केन्द्र के पांच किलोमीटर क्षेत्र के गांव तक उपलब्ध कराई जाएगी।

बता दें कि पायलेट प्रोजेक्ट के तहत विदिशा के अलावा शाजापुर और जबलपुर इन तीन जिलों में होम डिलीवरी की सुविधा शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए डबल लॉक केन्द्रों के पांच किलोमीटर क्षेत्र के गांवों को चिहिंत किया जा रहा है जहां यह सुविधा शुरू की जानी है। यह सुविधा शुरू होने से छोटे सीमांत किसानों को सबसे ज्यादा फायदा होगा, जिनके पास ट्रैक्टर-ट्रॉली आदि वाहन नहीं होते। उन्हें फिलहाल किराये से वाहन करके खाद अपने गांव तक ले लाना पड़ता हैं।

किसानों को मिलेगी महंगे किराए से मुक्ति

कई बार वाहन नहीं मिलने से भी उन्हें परेशान होना पड़ता है या वाहन चालक को मनमाफिक किराया देना पड़ता है। वर्तमान में पांच किलोमीटर दूर तक खाद की बोरियां पहुंचाने के लिए ऑटो चालक 500 रुपये तक किराया वसूलते हैं। यदि किसी सीमांत किसान को कम खाद ले जाना है तो उन्हें किराया भाड़ा महंगा पड़ जाता है। योजना लागू होने से इन सीमांत किसानों को सबसे ज्यादा लाभ होगा। वहीं उनके समय की भी बचत होगी।

योजना सफल रही तो हो सकती है प्रदेश में लागू

फिलहाल प्रदेश के तीनों जिलों के एक-एक केन्द्र पर योजना शुरू करने की तैयारी चल रही है। विदिशा मुख्यालय पर रामलीला मैदान के पास स्थित डबल लॉक केन्द्र के आसपास आठ गांव चिन्हित किए गए हैं। यदि सब कुछ ठीक रहा और योजना सफल रही हो आगे इसे प्रदेश भर में लागू किया जा सकता है। कृषि कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपेड़िया का कहना है कि हमने फिलहाल एक केन्द्र के अंतर्गत आने वाले आठ गांव चिंहित कर भेज दिए हैं। जल्दी ही योजना शुरू की जा सकती है।

बाघ गणना

दुनिया के सबसे बड़े सर्वे के लिए प्रदेश के 9 टाइगर रिजर्व में लगने लगे कैमरे

भोपाल। अखिल भारतीय बाघ गणना के दुनिया के सबसे बड़े सर्वे के लिए देहरादून स्थित वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश में 15 नवंबर से कैमरे लगाने का काम शुरू हो गया है। चार महीने से ज्यादा समय तक चलने वाले इस महाअभियान के दौरान प्रदेश की नौ हजार वन बीट में 30 हजार से ज्यादा वनकर्मी और अधिकारी काम करेंगे। इस दौरान 31 हजार 098 वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन, 61 हजार 886 वर्ग किमी संरक्षित वन और 1705 वर्ग किमी अवर्गीकृत वन क्षेत्र में बाघों की गणना की जाएगी। इससे पहले वर्ष 2022 में राष्ट्रव्यापी गणना हुई थी, जिसमें देश में कुल 3682 और मध्य प्रदेश में 785 बाघ पाए गए थे।

पहले स्लाट में प्रदेश के नौ टाइगर रिजर्व के कुल 15436.084 वर्ग किमी क्षेत्र में कैमरे लगाए जा रहे हैं। इस क्षेत्र में लगभग साढ़े छह हजार कैमरों का उपयोग होगा। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र 716.903 वर्ग किलोमीटर में तीन बार में कुल आठ सौ कैमरों का उपयोग किया जाएगा। संजय धुबरी टाइगर रिजर्व में कुल 562 कैमरों से गणना होगी। टाइगर रिजर्व के बाद सामान्य वन मंडल और वन विकास निगम के जंगलों मे कैमरे लगाने का काम होगा। इस बार कमरे में स्वदेशी बैटरी का इस्तेमाल किया जा रहा है। कैमरे में लगाई जाने वाली जीटी अल्ट्रा गोदरेज कंपनी की बैटरी है।

मेट्रो एंकर | 2026 की कार्य योजना बनाने के निर्देश

प्रदेश के नगरीय निकायों में अब तक रोपे गए 36 लाख पौधे

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश में नगरीय निकायों में पौधरोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अब तक इस साल 36 लाख पौधे रोपे जा चुके हैं। दिसंबर तक पौधे रोपे जाने के लिए अन्य लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को वर्ष 2026 में किए जाने वाले व्यापक पौधरोपण अभियान की तैयारी और इससे जुड़ी कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

इस संबंध में आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने निकायों से कार्य योजना दिसंबर 2025 तक पूर्ण करने के लिए भी कहा है। प्रदेश में वर्ष 2025 में प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नगरीय निकायों द्वारा करीब 36 लाख पौधों का रोपण किया गया है। निकायों को लगाए गए पौधों की सुरक्षा में सजगता बरतने को भी कहा गया है। नगरीय प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि नगरीय निकाय अपने क्षेत्रों में हितधारकों की बैठक और कार्यशाला आयोजित कर वर्ष 2026 के पौधरोपण लक्ष्यों का पहले आकलन करें और उसके अनुसार रणनीति बनाएं।

निकायों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि कुल लक्ष्य में से शेष पौधरोपण का कार्य निकायों द्वारा अपने संसाधनों से करना होगा। निकाय सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ओवरहेड टैंक के आसपास की भूमि, सड़कों के दोनों ओर, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल एवं शासकीय परिसरों की बाउंड्री युक्त भूमि, नदियों, नालों, तालाबों, डैम एवं नहरों के किनारों के साथ मुक्तिधाम और खेल मैदानों के आसपास का क्षेत्र चिन्हित करने के लिए कहा गया है।

बजट के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश

पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और पौधों के क्रय के लिए बजट के इंतजाम का प्रस्ताव जल्द तैयार किया जाए। नगरीय क्षेत्र में अधिकतम हरियाली बढ़ाने के लिए जामुन, अर्जुन, देशी बबूल, बड़े वृक्षों जैसे पीपल, बरगद, आम, महुआ, इमली आदि प्रजातियों के पौधे को प्राथमिकता दी जाए। बीज छिड़काव केलिए उत्तम व्यवस्था की जाए। संचालनालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि वर्ष 2026 के पौधरोपण कार्य की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवंबर माह से ही साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। निर्देश में यह भी कहा गया है कि शहरी क्षेत्र के कुछ भवनों में बाउंड्री वॉल नहीं होती है, वहां मेहंदी की बाउंड्री वॉल सुरक्षा के हिसाब से लगाने के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं। इससे परिसर में सुरक्षा के साथ हरियाली का भी विस्तार होगा। नगरीय निकायों से कहा गया है कि शहरी क्षेत्रों में वर्ष 2026 के पौधरोपण के साथ जल संरक्षण से संबंधित प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं।

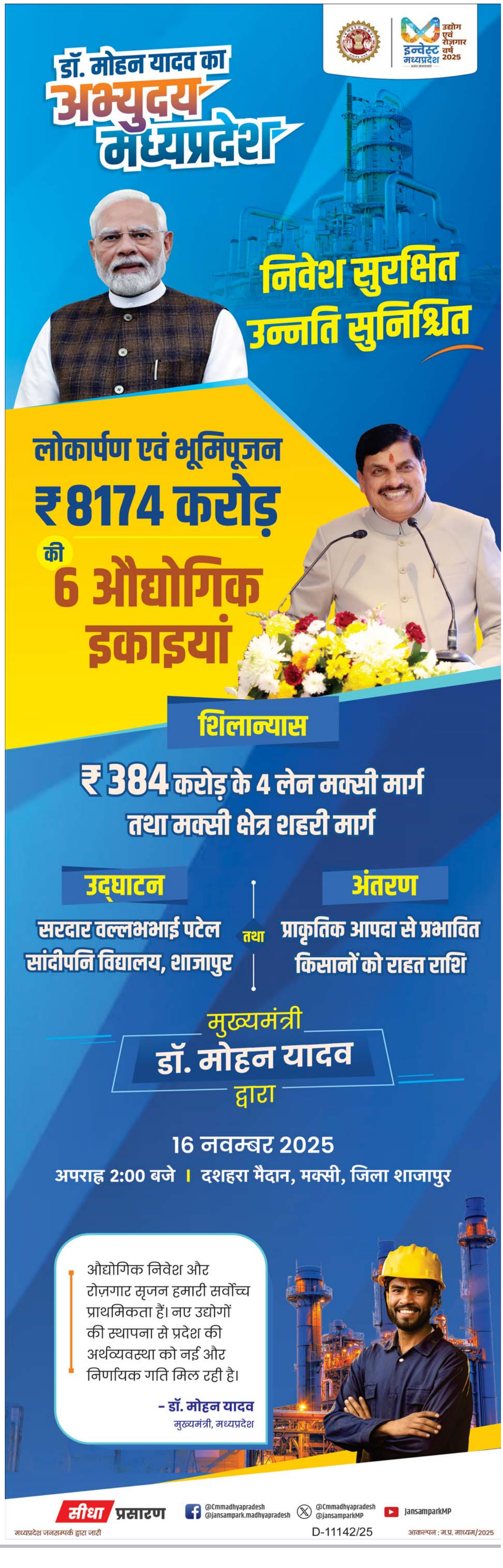

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 16 नवंबर 2025

सेहत की बात

सर्दियों में वर्कआउट प्लान आसान नहीं, लम्बी वाक और डांस के साथ भी रह सकते हैं हेल्दी

सर्दियों के महीने में वर्कआउट प्लान पर पर टिके रहना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मौसम ठंडा होता है, दिन के उजाले के घंटे कम होते हैं और अन्य प्राथमिकताएँ नियमित दिनचर्या बनाना मुश्किल बना सकती हैं। हालाँकि सर्दियों में व्यायाम करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए बहुत ज़रूरी है। कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम एक प्रकार का व्यायाम है जो आपकी हृदय गति को बढ़ाने और आपकी सहनशक्ति को बढ़ाने पर केंद्रित होता है। प्रतिरोधक व्यायाम आपकी मांसपेशियों में ताकत बढ़ाने के लिए प्रतिरोध (शरीर के वजन, बैंड या वज़न) का उपयोग करता है। एक व्यायाम कार्यक्रम में कार्डियोवैस्कुलर और प्रतिरोधक दोनों प्रकार के व्यायाम शामिल होने चाहिए।

लक्ष्यों की ओर बढ़ें

व्यायाम और फिट रहने के अपने लक्ष्यों को याद रखें। क्या आप अपने कुत्ते को ज़्यादा दूर तक घुमाना चाहते हैं? क्या आप अपने नाती-पोतों के साथ खेलना चाहते हैं? क्या आप स्वस्थ महसूस करना चाहते हैं? क्या आप खुद अपना सूटकेस उठाना चाहते हैं? लक्ष्यों को ध्यान में रखकर शुरुआत करने से आपके सफल होने की संभावना ज़्यादा होती है।

घर के अंदर ही फिटनेस को अपनाएँ। सर्दियों के महीनों में, आप बाहर व्यायाम नहीं कर पाएँगे, लेकिन सक्रिय और गर्म रहने के कई तरीके हैं। आप मॉल में लंबी पैदल यात्रा कर सकते हैं, जिम में फिटनेस क्लास ले सकते हैं, सामुदायिक नृत्य कक्षा में शामिल हो सकते हैं, वज़न उठा सकते हैं, घर पर वीडियो देखकर कसरत कर सकते हैं, या सिर्फ़ नृत्य भी कर सकते हैं। किसी भी व्यायाम कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह है जो आपको पसंद हो। अगर आपको मज़ा आ रहा है, तो आप व्यायाम जारी रखने की ज़्यादा संभावना रखेंगे।

इस मौसम में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विशेषज्ञों के कई सुझाव हैं

हाइबरनेट करने की कोई ज़रूरत नहीं

सर्दियों के महीनों में, हाइबरनेट करने की कोई ज़रूरत नहीं है! सक्रिय रहना और व्यायाम करना संभव है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि आप हफ़्ते में पाँच दिन, कम से कम तीस मिनट व्यायाम करें। हालाँकि, दिन में पाँच या दस मिनट की गतिविधि भी वज़न कम करने, मूड बेहतर करने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। इसलिए, अपने व्यायाम के लक्ष्यों को याद रखें, एक साथी चुनें, कोई ऐसी गतिविधि चुनें जो आपको पसंद हो, और सक्रिय रहें!

साथी बनाएँ: अपने दोस्तों और परिवार को व्यायाम साथी बनाएँ। जिम में किसी दोस्त से मिलने की तारीख तय करें और आपके मिलने की संभावना ज़्यादा होगी। खाने या कॉफ़ी पर मिलने के बजाय, व्यायाम की तारीख पर विचार करें। आप मॉल में तेज़-तर्रार सैर और दुकानों की खिड़कियों से खरीदारी करने के लिए मिल सकते हैं। किसी दोस्त के साथ अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर डांस या योगा क्लास लेने की कोशिश करें। व्यायाम सामाजिक और मज़ेदार हो सकता है। व्यस्त होने पर भी, व्यायाम का समय निर्धारित करने और उसे समय पर पूरा करने के बारे में सोच-समझकर सोचें। एक बार जब आप अपने कैलेंडर में व्यायाम लिख लेते हैं, तो यह आपके दैनिक कार्यक्रम का हिस्सा बन जाता है और इससे आपको अपने फिटनेस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, अपने व्यायाम का रिकॉर्ड एक लॉग में रखें। अपनी उपलब्धियों और प्रगति को देखना बहुत प्रेरणादायक होगा। समय की कमी को खुद पर हावी न होने दें। जब आपका शेड्यूल व्यस्त हो, तो खुद को याद दिलाएँ कि व्यायाम में ज़्यादा समय नहीं लगता। अपनी शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के कई आसान तरीके हैं।

सर्दियों का भरपूर आनंद लें

हालाँकि घर के अंदर ही फिटनेस रूटीन अपनाना आसान है, लेकिन शायद आप बाहर जाकर सर्दियों के महीनों का आनंद लेना चाहें। अगर आपकी सेहत अच्छी है और आपका डॉक्टर सहमत है, तो कुछ और साहसिक शीतकालीन खेलों को आज़माएँ। आप आइस स्केटिंग, क्रॉस-कंट्री स्की या स्नोशू की क्लास ले सकते हैं। अगर आप उतने साहसी नहीं हैं, तो बाहर निकलें और अपने परिवार के छोटे सदस्यों के साथ मिलकर एक स्नोमैन बनाएँ। बर्फ हटाना और सर्दियों के दूसरे काम भी व्यायाम माने जाते हैं। पूरी तरह से तैयार रहें!

जीवन-दर्शन

जीवन गतिशील रहे... अर्थ, धर्म और काम का प्रयोजन मोक्ष है

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

दो बातें जीवन में आवश्यक होती हैं। एक तो जीवन में गतिशीलता होनी चाहिए और दूसरा , जीवन की उस गति को सही दिशा मिलनी चाहिए। यदि हमारा जीवन गतिशीलता खो देगा तो जीवन, जीवन नहीं रह जाएगा, बोझ बन जाएगा। जीवन बहती गंगा की भांति होना चाहिए। नदी गतिशील है और उसकी गतिशीलता ही उसका आकर्षण है। चरैवति, चरैवति। जीवन में गति नहीं रही तो फिर हम जीएंगे नहीं , जीवन को ढोएंगे। किसी ने पूछा, क्यों जी रहे हो भैया ? बोले, ' मर नहीं रहे हैं इसलिए। ' अब जो मर नहीं रहा है इसलिए जी रहा है , वह क्या खाक जी रहा है! जीवन परमात्मा का दिया हुआ एक गीत है , उसे प्रेम से गुनगुनाएं। तो , पहली चीज- जीवन में गतिशीलता होनी चाहिए। किंतु यदि गति की दिशा गलत होगी तो अधोगति होगी , हम अवनति की ओर जाएंगे। आजकल लोगों में गति तो है , लेकिन गति की दिशा सही नहीं है। दिशा गलत है इसलिए दशा बिगड़ी हुई है। किसी चिंतक ने बहुत ठीक कहा है कि परमात्मा की ओर जाने का मार्ग वहीं से शुरू होता है , जहां तुम खड़े हो।

यदि वेश्यालय में पड़ा हुआ आदमी भी जग जाए और इस बात की कामना करने लगे कि ' मुझे बैकुंठ जाना है ' तो उसके लिए बैकुंठ का मार्ग वहीं से शुरू होता है। इसलिए तुम गतिशील बनो और सही दिशा पकड़ो। हमें मोक्ष की ओर जाना है , मंगल की ओर जाना है। निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। जहां खड़े हो उससे आगे बढ़ो। यह जो इंकलाब का नारा लगाते हैं , उसका भी यही अर्थ है- गतिशील बनो , आगे बढ़ो , जीवन को गति दो। लेकिन किस ओर ? जिंदाबाद की ओर , आबाद होने की ओर , कल्याण की ओर। कल्याण शब्द का अर्थ है- नवप्रभात , जो जीवन में एक नई भोर ला दे। जीवन को खुशियों के उजाले से भर दे। भारतीय चिंतन में धर्म , अर्थ , काम , मोक्ष- मनुष्य जीवन के चार पुरुषार्थ माने गए हैं। लेकिन इन चारों का हेतु क्या है? धर्म का हेतु मोक्ष है , अर्थ नहीं। धर्माचरण करो तो किसके लिए? मोक्ष के लिए। अर्थ से धर्म कमाना है , धर्म से अर्थ नहीं कमाना। केवल कामनाओं की पूर्ति के लिए अर्थ मत कमाओ। बढ़िया कपड़े हों , बढ़िया आभूषण हों , बढ़िया वस्त्र हों- इन सबकी जीवन के लिए जरूरत है , इसमें दो राय नहीं। लेकिन जीवन का लक्ष्य यह नहीं है , कि केवल इन्हीं में उलझे रहें। इसलिए सिर्फ कामनाओं की पूर्ति के लिए ही अर्थ नहीं कमाना है। हम दान कर सकें, इसलिए भी अर्थ कमाना है। हम परमार्थ में उसको लगा सकें, इसलिए भी अर्थ कमाना है। वरना अर्थ, अनर्थ का कारण बनेगा।

सितारों की बात

पंडित विष्णु राजौरिया

सप्ताह का राशिफल दिनांक 16 से 22 नवंबर तक

मेष: आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ: वृषभ के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन: मिथुन राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क: कर्क राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह: सिंह राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या: कन्या राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला: तुला राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु: धनु राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: मकर राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ: कुंभ राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन: मीन राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

टेक्नो अपडेट

मोबाइल नंबर सेव किए बिना आसान तरीके से भेज सकते हैं वॉट्सऐप मैसेज

वॉट्सऐप तो हम सभी इस्तेमाल करते हैं। वॉट्सऐप को मुख्य रूप से लोगों के साथ चैट करने, कॉल करने और वीडियो कॉल के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वॉट्सऐप पर जो नंबर सेव होते हैं, उन्हें ढूंढकर कॉल या मैसेज करना तो बहुत आसान है, लेकिन क्या आपको बिना मोबाइल नंबर सेव किए बिना वॉट्सऐप मैसेज भेजना आता है? आज हम इसका सिंपल तरीका बताने जा रहे हैं। अगर आपके मोबाइल में किसी का नंबर सेव नहीं है और उसे वॉट्सऐप मैसेज भेजना है तो यह काम आप फटाफट कर सकते हैं।

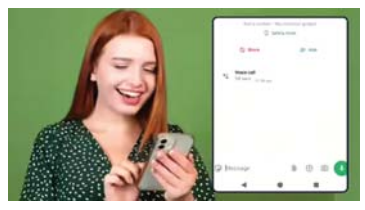

कोई भी मोबाइल नंबर जिस पर आपको वॉट्सऐप मैसेज भेजना है और वह नंबर आपके फोन में सेव नहीं है। उसे मैसेज भेजने से पहले आपको यह पता होना चाहिए कि उसका वह नंबर वॉट्सऐप पर है या नहीं। अगर सामने वाला उस नंबर से वॉट्सऐप चलाता है तो आप सीधे ही उसे वॉट्सऐप मैसेज कर सकते हैं, नंबर सेव करने की जरूरत नहीं है। कैसे, आइए जानते हैं।

अपनाएं ये तरीका: स्टेप 1 : सबसे पहले उस नंबर को कॉपी कर लें अगर वह आपकी कॉल हिस्ट्री में है। अगर आपने नंबर लिखकर रखा है, तो उसे निकाल लें।

स्टेप 2 : अपने मोबाइल में वॉट्सऐप खोलें।

स्टेप 3 : सबसे ऊपर सर्च में जाकर अपना नंबर निकालें। अगर आप अपना My No या You लिखेंगे, तब भी आपका नंबर आ जाएगा।

स्टेप 4 : अपने नंबर पर क्लिक करें और मैसेज में जाकर वह नंबर लिख दें, जिससे आप चैट करना चाहते हैं।

स्टेप 5 : खुद को वह नंबर भेज दें।

स्टेप 6 : अगर आपको वह नंबर मैसेज हो गया है, तो वह नीले रंग में दिख रहा होगा, उस पर क्लिक कर दें।

स्टेप 7 : अब आपके सामने एक विंडो खुल जाएगी। उसमें वह नंबर, उसका प्रोफाइल नेम आ रहा होगा। नीचे की तरफ सबसे पहले मैसेज लिखा दिखाई देगा।

स्टेप 8 : आपको मैसेज पर क्लिक करना है। इसके बाद नई चैट विंडो खुल जाएगी और उस नंबर पर मैसेज भेज सकते हैं।

नोट : वॉट्सऐप पर कुछ स्क्रीशॉट नहीं लिए जा सकते। इसलिए हम फोटो के साथ यह प्रोसेस नहीं बता रहे हैं। ?

इस ट्रिक का फायदा: यह ट्रिक उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है, जिन्हें काम या बिजनेस के चलते रोजाना कई फोन आते हैं और उनका नंबर सेव करने की जरूरत नहीं है। कई बार कोरियर वाला, ऑनलाइन डिलिवरी वाला वॉट्सऐप पर आपसे लोकेशन मांगता है। तब आप पहले उसका नंबर सेव करते होंगे और फिर नंबर सर्च करके उसे लोकेशन भेजते होंगे। इस ट्रिक के साथ आप किसी को भी बिना नंबर सेव किए अपनी लोकेशन भेज सकते हैं। उससे चैट कर सकते हैं। लिंक बनाकर भी आप किसी कॉन्टैक्ट के साथ डायरेक्ट वॉट्सऐप पर चैट कर सकते हैं। हालांकि वह तरीका उपर बताए गए तरीके से ज्यादा मुश्किल है। आप इस तरीके को अपने पैरंट्स और बाकी परिवारिक सदस्यों को भी समझा सकते हैं।

स्ट्रीट-फूड

मोमो वाले की महीने की कमाई ने मचाया इंटरनेट पर हंगामा, वीडियो को 1.8 करोड़ व्यूज

भारत में स्ट्रीट फूड का नाम लेते ही सबसे पहले जो डिश दिमाग में आती है, वो है मोमो। हर सड़क, हर नुक्कड़, हर मार्केट में आपको एक मोमो वाला जरूर मिल जाएगा। लोगों की बढ़ती पसंद की वजह से यह छोटा-सा बिजनेस आज करोड़ों के बाजार में बदल चुका है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि मोमो बेचने वाले वास्तव में कितना कमा लेते हैं? क्या उनकी कमाई सच में लाखों में पहुंचती है? इसी सवाल का जवाब ढूंढने के लिए एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने जो एक्सपेरिमेंट किया, उसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया।

दरअसल, इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर @cassiusclydepereira ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने एक दिन के लिए खुद मोमो स्टॉल पर खड़े होकर कमाई का पूरा हिसाब लगाया। वीडियो पर 1.8 करोड़ से ज्यादा व्यूज है। वीडियो की शुरुआत में वह मजेदार सवाल पूछते हैं- 'क्या मोमो वाला, एक ग्रेजुएट से ज्यादा कमा सकता है?' और फिर वह स्टॉल पर खड़े होकर खुद ग्राहकों को मोमो सर्व करने लगते हैं।

एक दिन की कमाई सुनकर यकीन नहीं होगा: वीडियो में देखा जा सकता है कि स्टॉल बहुत फेमस है। सिर्फ एक घंटे में 118 प्लेट मोमो बिक गए। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि बीच में स्टॉक मंगवाना पड़ा। जैसे-जैसे शाम बढ़ती गई, लाइन लंबी होती गई. स्टॉल शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक चलता है यानी कुल 5 घंटे। एक प्लेट मोमो की कीमत है 110 रुपये। पूरे दिन में कुल 950 प्लेट मोमो बिके। इसका मतलब 1,04,500 रु (एक दिन की कुल बिक्री)। इन्फ्लुएंसर के अनुसार, अगर रोज ऐसा बिजनेस हो जाए तो महीने में कमाई 30 लाख रुपये से भी ज्यादा हो सकती है। हालांकि, यह सिर्फ ग्रॉस इनकम है। इसमें किराया, गैस, आटा, सब्जियां, स्टाफ और अन्य खर्च शामिल नहीं हैं। फिर भी, यह दिखाता है कि मोमो का बिजनेस उम्मीद से कहीं ज्यादा मुनाफेदार हो सकता है।

वर्क-लाइफ बैलेंस

गुड़गांव के बंदे का वीडियो वायरल, बोला- मुझे नहीं चाहिए पैसे, मैं पागल हो रहा हूं!

कॉर्पोरेट जीवन में वर्क-लाइफ बैलेंस सबसे जरूरी चीज होती है। क्योंकि अगर आप पूरे टाइम काम-काम और काम करते रहेंगे, तो एक वक्त के बाद आपको डिप्रेशन की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में वर्क-लाइफ बैलेंस का मेंटेन होना और समय-समय पर ब्रेक लेना बेहद जरूरी होता है। इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में गुड़गांव के रहने वाले बंदे ने वर्क लाइफ बैलेंस पर भी बात की है।

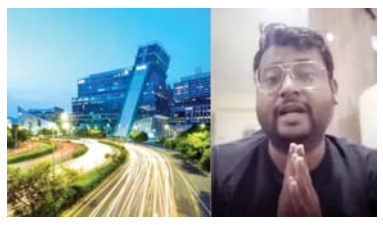

जिसके वायरल होने पर अब यूजर्स भी कमेंट सेक्शन में लिख रहे है कि वह खुद को उस बंदे से रिलेट कर रहे हैं। दरअसल, 9 टू 5 की जॉब में 12-12 घंटे काम करके शख्स इतना परेशान होता है कि वह वीडियो में अपने बॉस से लेकर परिवारवालों और घरवालों तक को अपनी हालत बताने लगता है। ऐसे में उसकी व्यथा सुनकर तमाम यूजर्स भी उसकी बातों से रिलेट करने लगते हैं। ये जो लोग बोल देते हैं कि वर्क लाइफ बैलेंस जैसी कोई चीज नहीं होती। उन्हें आज मैं मेरा घर दिखाता हूं। वह अपना छोटा-सा कमरा दिखाते हुए बताता है कि इसके मैं गुड़गांव में साढ़े 14 हजार रुपये देता हूं। वह अपने बेड का हाल दिखाते हुए बताता है कि ये तौलिया, ये बेल्ट, ये कपड़े, पूरे हफ्ते यहां पर ऐसे ही पड़े रहते हैं। वह आगे अपने रूम की फर्श दिखाता है। जहां धनिया के पत्ते जमें होते हैं। वह कहता है कि इसे हटाने का भी उसे टाइम नहीं मिल पा रहा। वीडियो में आगे वह बेसिन में 4 दिन से पड़े बर्तन भी दिखाता है।

मैं महसूस कर सकता हूं...: गुड़गांव में रहने वाले बंदे की हालत सुनने के बाद यूजर्स कमेंट सेक्शन में जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- जॉब छोड़ दो, बेस्ट है भाई। दूसरे यूजर ने कहा कि मेरा दिल आपको महसूस कर सकता है। तीसरे ने लिखा कि भाई डिप्रेशन में जा रहा धीरे-धीरे, आराम करो और ध्यान रखो। चौथे यूजर ने कहा कि हसलिंग कल्चर के दूसरे पक्ष को उजागर करने के लिए धन्यवाद।

सख्ती: गनमैन और महिला कर्मचारी को लेकर बकायादारों के यहां छापामार कार्रवाई

4 टीमों ने 12 के बिजली चोरी के प्रकरण बनाए, 32 बड़े बाकायादारों के कनेक्शन काटे

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

घोषित और अघोषित बिजली कटौती से जूझ रहे नागरिकों में बिजली कंपनी की टीम की खौफ दिखाई दिया। दोपहर में बिजली कंपनी की टीमों के शहर के विभिन्न इलाकों में पहुंचने की जानकारी मिली थी। कंपनी की यह टीम एसी सत्येन्द्र कुमार मौर्य के नेतृत्व में सिरोंज आई थीं। उनके अलावा विदिशा वृत्त उपमहाप्रबंधक कमलेश दास, विमलेश कुमार, गोपाल सिंह नावरे, योगेश कुमार डामोर, सुशील समेले और जेई अमानसिंह कुशवाह भी शामिल थे। ये सभी 4 समूहों में शहर के उन मोहल्लों में पहुंची। जहां पर बड़े बकायादार ज्यादा है। इन मोहल्लों में नयापुरा, रकाबगंज, टोरी मोहल्ला और आसरा टाउन मुख्य रूप से शामिल थी। इन टीमों के साथ गनमेन भी थे। इन्हें देखकर ही अधिकांश बड़े बकायदार उपभोक्ताओं का मिजाज अफसरों के सामने ठंडा पड़ता दिखाई दी। इसके साथ एक टीम के साथ महिला कर्मचारी को भी शामिल किया गया था। जिन घरों के अंदर जाकर जांच करना थी। वहां महिला कर्मचारी को भीतर पहुंचा कर जांच की गई।

बड़े बकायादारों की सर्विस लाइन मीटर सहित जब्त की

बिजली अफसरों की टीम ने शहर में बिजली चोरी के 12 प्रकरण दर्ज किए। इन उपभोक्ताओं पर ढाई लाख रूपए चोरी के प्रकरण दर्ज किए गए है। इसके साथ ही 32 बड़े बाकायदारों जिनसे 14 लाख 60 हजार रूपए की वसूली कंपनी को करना है। इन उपभोक्ताओं कनेक्शन कंपनी के अधिकारियों ने मौके पर ही काट कर उनसे बकाया राशि जमा करने को कहा गया है। इसके साथ ही 1-1 लाख रूपए से ज्यादा बिल वाले दो बड़े बकायादारों द्वारा राशि जमा नहीं करने की स्थिति में उनकी सर्विस लाइन मीटर सहित जब्त किए गए हैं। इन दिनों शहरवासी जब-तब होने वाली बिजली कटौती से परेशान है। यह कटौती सुबह ही दिखाई लेने लगती है। कई बार बिजली घंटों गुल रहती है तो कई बार मिनटो में वापस लौट आती है। बिजली की इस लुकाछिपी के कारण घरों के बिजली उपकरण प्रभावित हो रहे हैं। बावजूद इसके बिजली कंपनी के अफसर जनता की सुनवाई नहीं कर रहे।

कार्रवाई लगातार चलेगी और व्यवस्था भी सुधारेंगे

शहर में बिजली कंपनी के 14 उपभोक्ता ऐसे हैं। जिनसे कंपनी को 1-1 लाख से ज्यादा वसूली करना है। इसके अलावा 50 हजार से ज्यादा बकाया वाले भी अनेक उपभोक्ता है। कंपनी की टीम शनिवार को इन बड़े बकायादारों के यहां पर ही छापमार कार्रवाई के लिए पहुंची थी। हालांकि अभी भी कई बड़े बायदारों के यहां टीम नहीं पहुंची। इस संबंध में कंपनी के एसी सत्येन्द्र कुमार मौर्य ने बताया कि हमारी कार्रवाई लगातार चलेगी। अन्य बकायदारों के यहां भी टीम पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था सुधार का काम लगातार चल रहा है। जल्द ही उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से पूरी तरह से निजात मिल जाएगी।

आवासीय क्षेत्र में तेंदुआ पकड़ा

नर्मदापुरम। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के आवासीय परिसर में बीती रात एक तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। बताया जा रहा है कि तेंदुए को पकड़ने के लिए वन अमले ने सितंबर माह में यहां पिंजरा लगाया था, जिसकी लोकेशन दो से तीन बार बदली गई थी। बीती रात तेंदुआ शिकार के लालच में पिंजरे में फंस गया। पिंजरे में शिकार के रूप में एक बकरी का बच्चा छोड़ा गया था। देर रात एसडीओ वन मौक़े पर पहुँचे थे। सूत्रों के अनुसार, सितंबर के पहले सप्ताह में इंडियन गैस गोदाम के पास तेंदुआ देखे जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया था। इस घटना से फिर से फैक्ट्री क्षेत्र और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बना हुआ है। फिलहाल खबर लिखें जाने तक पकड़े गए तेंदुए को बागदेव चौकी इटारसी में रखा गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) की टीम तेंदुए का मेडिकल परीक्षण करने के बाद उसे जंगल में छोड़ देगी।

रवि और सरगुन भस्मारती में शामिल हुए

उज्जैन। फ़िल्म अभिनेता रवि दुबे तथा फ़िल्म अभिनेत्री सरगुन मेहता ने आज रविवार की सुबह महाकालेश्वर भगवान की भस्म आरती के लाभ लिए। भस्म आरती के दौरान दोनों कलाकारों ने श्रद्धा एवं आस्था के साथ भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। दर्शन उपरांत मंदिर समिति की ओर से उप प्रशासक एस. एन. सोनी द्वारा उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया।

खाते में क्यूआर कोड से जमा होगी राशि

नर्मदापुरम। डिजिटल भारत मिशन की दिशा में एक और कदम उठाते हुए केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम् प्रदेश की पहली ऐसी जेल बन गई है, जहां बंदियों के केंटीन खाते में राशि क्यू आर कोड के माध्यम से ऑनलाइन जमा की जा सकेगी। जेल अधीक्षक के अनुसार केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम् में बंदियों के हित में संचालित ÷केंटीन सहकारी संस्था मर्यादित÷ में अब परिजन अपने मोबाइल से डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। अब तक बंदी के खाते में राशि केवल नगद रूप में जमा की जाती थी, जिससे परिजनों को काफी असुविधा होती थी। जेल में लगभग 1000 दंडित बंदी हैं, जिनमें से अनेक बंदी दूर-दराज़ जिलों से हैं। दूरी और समय की बाधाओं के कारण उनके परिजन अक्सर महीनों तक मुलाकात नहीं कर पाते थे, जिससे खातों में समय पर राशि जमा कराने में दिक्कत आती थी। अब नई व्यवस्था के तहत परिजन मुलाकात के समय कैश देने की बजाय क्यू आर कोड से सीधे भुगतान कर सकेंगे। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि साप्ताहिक रूप से बैंक में नगद राशि जमा करने की आवश्यकता भी कम होगी। प्रारंभिक चरण में यह सुविधा सीमित रूप में लागू की जा रही है। जेल प्रशासन का कहना है कि इससे परिजनों का समय और पैसा दोनों बचेंगे। इसके साथ ही बंदियों की मुलाकात, विधिक सहायता और जेल संबंधी सामान्य जानकारी भी क्यू आर कोड के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है।

केसला में बच्चों ने जनजातीय गौरव दिवस पर दी मनमोहक प्रस्तुति

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय केसला में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद दर्शन सिंह चौधरी तथा सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा उपस्थित रहे।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि जनजातीय समाज धर्म, संस्कृति और अपनी परंपराओं को बनाकर रखने वाला समाज है। अंग्रेजों ने कई बार इस संस्कृति को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन जनजातीय समाज ने अपनी अस्मिता बनाए रखी। भगवान बिरसा मुंडा ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने योगदान से पूरे देश को गौरवान्वित किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेज जनजातीय समाज का गलत चित्रण करते थे क्योंकि वे उनके क्षेत्र पर कभी अधिकार नहीं कर सके।सांसद चौधरी ने रानी दुर्गावती और टंट्या मामा भील के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने बताया कि केसला महाविद्यालय में शीघ्र ही भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में झारखंड में हुआ था। युवावस्था से ही उन्होंने अंग्रेजों के अन्यायपूर्ण शासन के विरुद्ध संघर्ष शुरू किया और कभी दासता स्वीकार नहीं की। उन्होंने बताया कि केसला ब्लॉक में आवासीय विद्यालय संचालित हैं तथा 35 करोड़ रुपये की लागत से नया सांदीपनि विद्यालय भी शीघ्र स्थापित होगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा जिले से देशभर के नागरिकों को वर्चुअल संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब भी बलिदान की बात होगी, जनजातीय समाज के त्याग और वीरता को स्मरण किया जाएगा। सरकार अब जनजातीय नायकों की स्मृति को संरक्षित करने हेतु देशभर में ट्राइबल म्यूजियम और जनजातीय संग्रहालय स्थापित करा रही है। शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया गया। उत्कृष्ट विद्यालय के बैंड दल ने अतिथियों का स्वागत किया।

हादसे का खतरा... स्कूल की छुट्टी के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली का आवागमन बंद करने की मांग

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में जोरदार आवक निर्मला कान्वेंट हासे स्कूल के बच्चों के लिए मुसीबत बन गई है। मंडी में आने और वापस निकलने वाली टेउक्टर-ट्रालियां स्कूल के गेट के सामने से ही होकर निकलती है। जब स्कूल की छुट्टी का समय होता है तब भी टेउक्टर-ट्राली का आवागमन नहीं थमता। इस कारण इस क्षेत्र में अनहोनी की आशंका बनी रहती है। अभिभावकों को डरते हुए अपने बच्चों को लेकर निकलना पड़ता है। बच्चों की इस परेशान को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यों ने प्रशासन से साझा किया। दोपहर में एसडीएम के पास अपना आवेदन लेकर पहुंचे अभाविप सदस्यों ने प्रशासन से स्कूल की छुट्टी के समय टेउक्टर-ट्रालियों का आवागमन इस क्षेत्र से बंद रखने की मांग की है। जिससे की बच्चे आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सके। ज्ञापन सौंपने वालों में अभाविप नगर अध्यक्ष आयुष सक्सेना, आशीष शर्मा, विनायक सोनी, हर्ष बैरागी, राज शर्मा, सक्षम शर्मा और कृष्णा सोनी आदि मौजूद थे।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की एसडीएम ने ली जानकारी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा होशंगाबाद क्षेत्र में एसडीएम जय सोलंकी ने शहरी एवं ग्रामीण दोनों इलाकों के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सोलंकी ने मतदान केन्द्रों पर जाकर बीएलओ से जानकारी ली और उन्हें मतदाता गणना पत्रक को सही ढंग से भरने तथा बीएलओ एप पर डाटा फीड करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कार्य की पारदर्शिता और शुद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। शहरी क्षेत्र में एसडीएम सोलंकी ने एसपीएम के मतदान केन्द्र क्रमांक 28, 29 और 30, फेफरताल के केन्द्र क्रमांक 26 एवं 27 का निरीक्षण किया। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम रोहना के केन्द्र क्रमांक 13 और 14, ग्राम नोहर के केन्द्र क्रमांक 8, ग्राम आगराकला के केन्द्र 25 तथा ग्राम बुधवाड़ा के केन्द्र क्रमांक 24 का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बीएलओ, सुपरवाइजर, ब्लॉक समन्वयक तथा एसबीएम रामकुमार गौर उपस्थित रहे। निरीक्षण के अंत में एसडीएम सोलंकी ने सभी को मतदाता जागरूकता अभियान को प्रभावी रूप से चलाने के निर्देश दिए।

मेट्रो एंकर

बाल दिवस पर बच्चों ने 1 करोड़ 11 लाख राम नाम लिखने का लिया संकल्प

कोमल मन की स्याही अब होमवर्क की तरह रोज लिखेगी राम नाम

हरिनारायण विश्वकर्मा। गंजबासौदा

श्रीराम नाम बैंक की गंज शाखा ने बच्चों के लिए एक ऐसी आध्यात्मिक पहल की जिसने बाल दिवस को स्मरणीय और प्रेरक बना बनाते हुए कोमल मन को सनातनी संस्कारों से जोड़ दिया। संतों की मौजूदगी में बाल दिवस पर श्री राम नाम लिखने वाली 1100 छोटी पुस्तिकाओं का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली बच्चों के बीच इन पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में राम नाम की महिमा सुनकर बच्चों ने होमवर्क के साथ-साथ इन पुस्तिकाओं में रोज एक पेज राम नाम लिखने का संकल्प लिया। अब इन पुस्तिकाओं में बच्चों द्वारा एक करोड़ 10 लाख राम नाम लिखकर श्रीराम नाम बैंक में जमा किया जाएगा। उल्लेखनीय कि अयोध्या की राम नाम बैंक से प्रेरणा लेकर करीब 20 वर्ष पूर्व नगर में प्रारंभ हुई श्री राम नाम बैंक 20 हजार खातेधारी भक्तों के सहयोग से अब तक करीब 2 अरब राम नाम लिखी पुस्तकें अयोध्या में जमा कर चुकी है। बैंक द्वारा अब 5 अरब राम नाम के पवित्र संकल्प को पूरा करने के लिए इसी कड़ी में स्कूली बच्चों को भी सनातनी परंपराओं से जोड़ते हुए इस अभियान से जोड़ा गया है जिसकी शुरुआत बाल दिवस पर आयोजित बाल मेले से की गई। स्कूली बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार कराईं गईं राम नाम पुस्तिकाओं का विमोचन बैंक की गंज शाखा में हुआ जहाँ आयोजित कार्यक्रम में गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वरदास त्यागी जी महाराज ने बच्चों को राम नाम की आध्यात्मिक ऊर्जा से होने वाले फायदे के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल मन बहकाता है वहीं राम नाम मन को स्थिर करता है। राम नाम ऐसा शब्द है जो असंभव को भी संभव बना देता है। त्यागी जी महाराज के आशीष वचनों से प्रेरित होकर स्कूली बच्चों ने संकल्प लिया कि वह होमवर्क के साथ साथ रोज एक पेज राम नाम लिखेंगे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, सृष्टि सेवा समिति के अध्यक्ष रूपेश लाड, समाज सेवी सुनील पिंगले, श्रीमती नेहा रघुवंशी, बैंक के संस्थापक रघुनाथ सिंह रघुवंशी सहित सनातन प्रेमी मौजूद थे।

रामायण प्रश्नोत्तरी ने बच्चों में जगाया उत्साह

शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की एनएसएस ईकाई के बच्चों से राम रामायण और श्रीराम के आदर्शों पर प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले स्कूली बच्चों को सम्मान पूर्वक पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके बाद बच्चों को श्री राम नाम बैंक गंज का अवलोकन कराया गया। जहाँ बैंक में भक्तों द्वारा जमा की गईं 30 करोड़ से अधिक राम नाम लिखी पुस्तिकाओं भक्ति का अनुपम भंडार देखकर बच्चे काफी अभिभूत हुए। राम नाम बैंक के संचालक गिर्राज रघुवंशी ने बताया कि विमोचित हुई पुस्तकों में नगर के स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राएँ मिलकर एक करोड़ 11 लाख राम नाम लिखेंगे।

मोनिका का अंतिम संस्कार

शोक व्यक्त करते हुए विधायक ने हेलमेट लगाने का किया आह्वान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू की बेटी मोनिका साहू का शनिवार को गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। मोनिका अपने भाई रौनक के साथ स्कूटी से बीना जा रहीं थी। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में दोनों भाई-बहन घायल हो गए थे। मोनिका को गंभीर अवस्था में भोपाल रेफर किया गया था लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। उसके सिर में चोट लगी थी। शनिवार सुबह राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय में पीएम हुआ। जब शव दिल्ली दरवाजा स्थित उनके निवास पर पहुंचा तो हर आंख नम थी। शव यात्रा में विधायक उमाकांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। मसानिया स्थित मुक्तिधाम पर मोनिका का अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद हुई शोकसभा में विधायक शर्मा ने कहा कि एक व्यक्ति के जाने से न जाने कितनी उम्मीदें खत्म हो जाती है। शोक व्यक्त करने के साथ ही उन्होंने सभी वाहन चालकों और खासतौर से युवाओं से हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की बात भी कही।

जबलपुर सागर स्टेट हाईवे के अंधे मोड़ बन रहे हादसों की वजह 40 किमी में 10 ब्लैक स्पॉट

न सुरक्षा के इंतजाम, न संकेतक और न ही ब्रेकर हादसों में जा रही जान फिर भी प्रशासन है मौन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक से गुजरे जबलपुर सागर स्टेट हाइवे 15 पर कई जगह ऐसे अंधे मोड़ हैं, जो हादसों की वजह बन रहे हैं और आए दिन वाहन चालक सड़क किनारे पेड़ों से टकरा रहे या फिर मोड़ पर अनियंत्रित होकर वाहन पलट रहे हैं। इन हादसों में लोगों की मौत भी हो रही है या फिर गंभीर घायल व अपंग हो रहे हैं।

अंधे मोड़ में से एक तेंदूखेड़ा मुख्यालय से 4 किलीमीटर दूर जबलपुर मार्ग पर स्थित नरगुवा की घाट पर है जहां पर लगातार वाहन मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट रहे हैं या फिर मवेशियों को बचाने के चक्कर में मोड़ पर अनियंत्रित हो जाते हैं। वहीं दूसरा मोड़ नगर से 1 किलोमीटर दूर माहुला पुल के पास और तीसरा मोड़ 3 किलीमीटर दूर झरौली पुल के पास है। जहां पर संकेतक, ब्रेकर सहित अन्य सुरक्षा के उपाय नहीं होने से आए दिन वाहन पलटते रहते हैं लेकिन हादसे रोकने का नाम नहीं ले रहे हैं प्रशासन से ब्लैक स्पॉट चिन्हित तो करता है लेकिन वहां हादसों को रोकने के लिए कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते हैं। जब भी दुर्घटना होती है तो जिम्मेदार मौका मुआयना कर कागजी औपचारिकताएं पूरी कर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेते हैं परिवहन विभाग सड़क निर्माण एजेंसी कोई पहल नहीं कर रहा है जिसके चलते सड़क हादसों में कभी नहीं आ रही है इस मार्ग पर ब्लैक स्पॉट में सचेत करने के लिए बड़े संकेतक बोर्ड भी नहीं लगाए गए हैं जब पड़ताल की गई तो स्थिति स्पष्ट हुई कि हादसे रोकने के लिए कहीं भी कोई प्रयास नहीं किए गए हैं।

नरगुवा मोड़ पर सबसे ज्यादा हो रहे हादसे 10 दिन में तीन बड़ी दुर्घटनाएं

तेंदूखेड़ा-पाटन मार्ग पर स्थित नरगुवा ग्राम की सीमा क्षेत्र में सबसे ज्यादा हादसे घटित हो रहे हैं। यहां पर 10 दिन में तीन बड़े हादसे हो चुके हैं जहां पर 5 नवंबर को गैस सिलेंडरों से भरा हुआ ट्रक कार को बचाने के चक्कर में पलट गया था जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था और एक बड़ा हादसा भी घटित होते हुए टल गया था ट्रक गैस सिलेंडरों को लेकर जबलपुर के शहपुरा भिटोनी से टीकमगढ़ जा रहा थ इसी बीच 6 नवंबर को जबलपुर से कानपुर यूपी जा रहा पुराने टायरों से लोड ट्रक भी अंधे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गया था जिसमें चालक घायल हो गया था वहीं 13 नवंबर गुरुवार को नरगुवा की घाट पर अंधे मोड़ पर एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई थी लेकिन इस हादसे में चालक सुरक्षित था लेकिन हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए थे और सड़क छोड़कर खाई में पहुंच गई थी कार तेन्दूखेड़ा के एक शिक्षक की थी लेकिन अब सोचने वाली बात यह है कि इन दिन दिन में इस मार्ग पर इन मोड़ों पर तीन भीषड़ सड़क हादसे घटित हुई है लेकिन अभी भी और अधिकारियों का ध्यान नहीं है वहीं वर्ष 2024 में अप्रैल में इसी स्थान पर हुए हादसे में दो बच्चों की मौत भी हो गई थी हादसों की वजह अंधा मोड़ के साथ ही ढलान और सड़क पर मवेशियों को बचाना सामने आई है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि घटनाएं होने का कारण अंधा मोड़ और सड़क किनारे लगी झाड़ियां भी है। जब रात के समय वाहन इस मार्ग से होकर गुजरते हैं तो उन्हें समझ नहीं आता कि आगे मोड़ भी है या नहीं? क्योंकि वाहन तेज रफ्तार में होने के कारण जैसे ही मोड़ पर आते हैं तो चालक भ्रमित हो जाता है और वाहन पर नियंत्रण खो बैठता है और हादसे का शिकार हो जाता है। लोगों का कहना है कि रहली से पाटन तक 100 किमी के इस मार्ग पर दर्जनों अंधे मोड़ बने हुए हैं। जहां पर आए दिन हादसे घटित होते रहते हैं।

नवीन घाट निर्माण का कार्य जारी

उज्जैन । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप शिप्रा नदी को उज्जैन शहरी क्षेत्र मे दिशा देने एवं श्रद्धालुओं को सिंहस्थ व अन्य धार्मिक पर्वों पर स्नान हेतु सुगम एवं स्वच्छ स्थान प्रदाय करने के उद्देश्य से म. प्र. शासन द्वारा 778 करोड़ रू की राशी से घाट निर्माण कार्य किया जा रहा है। मंगलनाथ मंदिर के समीप तेज़ गति से नवीन घाट का निर्माण कार्य जारी है। उल्लेखनीय है कि शिप्रा नदी के किनारे 29 किलोमीटर लंबे नए घाटों का निर्माण 778 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इसके साथ ही, 9 किलोमीटर लंबे स्थायी घाटों के उन्नयन का कार्य भी चल रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 120 करोड़ रुपये है।अनुमान है कि इस व्यवस्था के तहत 24 घंटे में लगभग ढाई करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे।

पिच्छिका परिवर्तन का हुआ आयोजन

तेंदूखेड़ा। नगर की आचार्यश्री दयोदय गौशाला में मुनिश्री प्रयोग सागर जी महाराज की भव्य पिच्छिका परिवर्तन महोत्सव हुआ। इस दौरान नगर सहित तारादेही, झलोन के अलावा हजारो की संख्या में सकल जैन समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के शुभारंभ मंगलाचरण अनाया मोदी एवं नीरल मोदी ने किया। आचार्य श्री एवं बडे बाबा के चित्र अनावरण वाहर से आए अतिथियो के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुनि श्री के पादप्राक्षलन सौभाग्य संतोष गागरा दमोह एवं राजीव जैन विदिशा के परिवार को मिला इसके अलावा शास्त्र भेंट का सौभाग्य मिटठूलाल जैन दमोह, राजकुमार जैन, प्रवीण जैन, सौरभ लहरी, सुधीर जैन, सक्षम सिघई, अभय जेन, सुखलाल जैन के परिवार को मिला साथ ही संत शिरोमणि आर्चाय श्री विद्यासागर जी महामुनिराज जी का पूजन करने का सौभाग्य सत्येन्द्र जैन के परिवार को मिला है। मुनि श्री की पुरानी पिच्छ्का लेने का परम सौभाग्य राकेश रिंकू गोयल सपना गोयल को एव दूसरी पिच्छ्का अमित जैन दमोह को मिला साथ ही नई पिच्छिका मुनि श्री को भेंट करने का सौभाग्य नगर के रानू बाम्बे हार्डवेयर मुकेश जैन शिक्षक के द्वारा दी गई है। श्रावक श्रेष्टि बनने का सौभाग्य कमल पांडे एवं सतेन्द्र जैन शिक्षक को प्राप्त हुआ है। चतुर्मास कलश लेने का सौभाग्य निर्मल मोदी, नीतेश जैन, जिनेन्द्र जैन, हेमचंद जैन पंडित जी, मुकेश जैन हीरो सेठ को प्राप्त हुआ।

बिरसा मुंडा जयंती: जागरूकता व एकता का दिया संदेश

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ब्लाक समन्वय निशा पटेल के मार्गदर्शन में सेक्टर 01 मंडीदीप की नव अंकुर संस्था, नगर विकास प्रस्फुटन समिति मंडीदीप एवं वार्ड नं 18 राहुल नगर प्रस्फुटन समिति द्वारा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

कार्यक्रम का आयोजन राहुल नगर वार्ड 18 स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्कूल में किया गया। कार्यक्रम में नव अंकुर संस्था सेक्टर 01 मंडीदीप के अध्यक्ष वीर सिंह चौहान, व वार्ड क्रमांक 18 राहुल नगर प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र गोस्वामी, ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती सोमवार को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। जिसमें राहुल नगर में नगर विकास समिति द्वारा यह आयोजन किया गया। जहां जनजातीय समाज के गौरव और बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान जन अभियान परिषद के अमित जैन, ने कहा की बिरसा मुंडा ने उलगुलान आंदोलन के माध्यम से ब्रिटिश शासन और जनजातीय शोषण के विरुद्ध संघर्ष किया। बिरसा मुंडा देश के उन विरल स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिन्होंने जनजातीय समुदाय को संगठित कर अंग्रेजी शासन के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा किया। उन्होने कहा कि बिरसा मुंडा आज भी जनजातीय समुदाय के साथ-साथ पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस दौरान समिति के सचिव राकेश पाल ने भगवान बिरसा मुंडा के योगदानों को याद किया और जनजातीय समाज की प्रगति एवं सम्मान के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की।

सिंगर सुनील एवं कॉमेडियन मनीष ने दी मनमोहक प्रस्तुति

उज्जैन । नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा कार्तिक मेला सांस्कृतिक मंच पर प्रतिदिन आने वाले नागरिकों के मनोरंजन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदीप चौहान इवेंट द्वारा बॉलीवुड सिंगर नाइट का आयोजन किया गया। जिसमें बॉलीवुड सिंगर सुनील शुक्रवारे एवं ग्रुप द्वारा लाइव ऑर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी गई। इसी के साथ ही टीवी एक्टर एवं कॉमेडियन श्री मनीष राजकमल द्वारा कॉमेडी की प्रस्तुति एवं मून वाकर डांस ग्रुप तथा मुंज द्वारा डांस की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान कार्तिक मेला सांस्कृतिक समिति संयोजक गब्बर भाटी द्वारा कलाकारों का बाबा महाकाल का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। सहायक आयुक्त प्रवीण मुकाती एवं विजय दीक्षित नगर मंत्री भाजपा, किसान मोर्चा अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा उपस्थित रहें।

चौकी प्रभारी बच्चों को पढ़ा रहे शिक्षा का पाठ

दमोह। जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र की फुटेराकला चौकी में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) आनंद कुमार अहिरवार इन दिनों शिक्षक की भूमिका में भी नजर आ रहे हैं। वे चौकी परिसर में गांव के स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पढ़ा रहे हैं। उनके इस प्रयास से स्थानीय ग्रामीण काफी खुश हैं हाल ही में दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर एसआईआर सर्वेक्षण कार्य के निरीक्षण के लिए गांव पहुंचे थे। ग्रामीणों ने उन्हें एएसआई आनंद के इस सामाजिक कार्य की जानकारी दी। इसके बाद कलेक्टर आनंद कुमार से मिलने चौकी पहुंचे और उनके प्रयासों की सराहना की कलेक्टर ने कहा कि ऐसे सामाजिक और बेहतर कार्य करने वालों को प्रशासनिक स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा को एएसआई आनंद को प्रशंसा पत्र से सम्मानित करने के निर्देश भी दिए एएसआई आनंद कुमार ने बताया कि गांव में कुछ ऐसे बच्चे हैं जिनके माता-पिता मजदूरी के लिए बड़े शहरों में चले जाते हैं, जिसके कारण वे स्कूल नहीं जा पाते। उन्होंने इन बच्चों को एक साथ लाकर चौकी परिसर में ही स्कूल की तरह पढ़ाने का प्रयास किया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो और अगले साल इन सभी बच्चों को नियमित रूप से स्कूल में दाखिला मिल सके चौकी परिसर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक और शाम 5 बजे से 6 बजे तक कक्षाएं लगाई जा रही हैं। इन कक्षाओं में बच्चे पढ़ाई करते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें चौकी परिसर में ही खेलकूद भी सिखाया जा रहा है। शाम के समय बच्चों को खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और बैडमिंटन जैसे खेल भी सिखाए जाते हैं।

बिरसा मुंडा की जयंती मनाई

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तेंदूखेड़ा द्वारा आदिवासी समाज के महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नीलेश यादव तथा युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष श्रीकांत पोर्ते की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी कांग्रेस सदस्यों ने श्री बिरसा मुंडा की प्रतिमा/तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। श्री बिरसा मुंडा (1875-1900) भारत के इतिहास में एक अद्वितीय व्यक्तित्व रहे हैं। उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध उलगुलान (विद्रोह) का नेतृत्व किया और मुंडा जनजाति के सांस्कृतिक एवं भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्ष किया।

ये पौधे सदैव पिता-ससुर की यादों को जीवंत रखेंगे

सागर। दोपहर मेट्रो

एक बेटी के अपने परिजनों से अलग ही संबंध होते हैं। तक तक वह मायके में पिता के प्रेम से ओतप्रोत रहती है तब तक उसके लिए दुनिया मुट्ठी में होती है. जैसे ही वह विवाह के बाद ससुराल पहुंची है तो उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है दोनों परिवारों एक सूत्र में पिरो कर रखने की। बेटी किसी सरकारी महकमे में अफसर हो तो चुनौतियां और भी बढ़ जाती हैं। इन तीनों धाराओं में प्रेम,विश्वास,कर्तव्य निष्ठा को बरकरार रखने का एक अनुपम उदाहरण सामने आया है.

सागर में पदस्थ सहायक आयुक्त आबकारी कीर्ति दुबे के कार्यालय में। भावनाओं और सम्मान से भरा एक स्मरणीय क्षण बन गया। जब उनके पिताजी एवं ससुर जी उनके कार्यालय पहुंचे। पिता और ससुर के पहुंचने पर पूरे स्टाफ ने आत्मीयता, आदर और अपनापन के साथ उनका स्वागत किया। स्वागत का यह दृश्य ऐसा था मानो पूरा कार्यालय एक परिवार की तरह एक सूत्र में बंधा हो। आमतौर पर हर कोई अपने प्रियजनों का सम्मान करता है, परंतु श्रीमती दुबे ने जिस संवेदनशील और प्रेरणादायी तरीके से अपने पिताजी और ससुर जी का स्वागत किया, वह वास्तव में अनुपम और अनुकरणीय उदाहरण है।

इस अवसर को और भी यादगार बनाने के लिए दुबे ने अपने पिता एवं ससुर से ऑफिस परिसर में पौधारोपण कराया. भावनात्मक माहौल में उन्होंने कहा कि ये पौधे सदैव आपकी यादों को जीवंत रखेंगे।÷उनका यह कदम केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि संस्कार, संवेदना और सम्मान का जीवंत प्रतीक बन गया। स्टाफ ने भी इस प्रेरक पहल की सराहना करते हुए कहा कि कीर्ति दुबे का व्यवहार कार्यालय को परिवार जैसा वातावरण प्रदान करता है।

हस्त-शिल्प मेले में सम्मिलित हुए ओडीओपी और जीआई टैग उत्पाद

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

शहर के कालिदास अकादमी परिसर में चल रहे हाथकरघा एवं हस्तशिल्प मेले में प्रदेश के ओडीओपी और जी आई टैग उत्पाद भी सम्मिलित हैं। इन्हें विभिन्न स्टाल पर जाकर क्रय किया जा सकता है। इनमें भैरवगढ़ के बटिक प्रिंट,धार के बाघ प्रिंट, चंदेरी की साड़ियां, महेश्वर की साड़ियां, मंडला डिंडोरी की गोंड चित्रकारी, वारासिवनी की साड़ियां, जबलपुर के पत्थर शिल्प, बेल मेटल क्राफ्ट शामिल हैं। ज्ञात हो कि जीआई टैग का मतलब भौगोलिक संकेत है। यह उन उत्पादों को दिया जाता है जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और इस कारण उनमें खास गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या विशेषता होती है। यह एक बौद्धिक संपदा अधिकार है जो उत्पाद की प्रामाणिकता की रक्षा करता है और क्षेत्र की विरासत को बढ़ावा देता है। किसी वस्तु को जीआई टैग मिलने से उसके उत्पादकों को बाजार में पहचान एवं यह सुरक्षा मिलती है कि उनके जीआई टैग का उपयोग कोई अन्य व्यक्ति नहीं कर सकता। क्रेताओं के लिए भी जीआई टैग किसी वस्तु के प्रामाणिक, विश्वसनीय एवं शुद्धता का सूचक बनता है। मध्य प्रदेश के तद्ध ञ्जड्डद्द में चंदेरी, जिला अशोकनगर की चंदेरी साड़ियां, महेश्वर जिला खरगोन की महेश्वरी साड़ियां,बाघ जिला धार के बाघ प्रिंट,टीकमगढ़ एवं दतिया के बेल मेटल क्राफ्ट,इंदौर के लैदर खिलौने, जबलपुर का पत्थर शिल्प, वारासिवनी की हैंडलूम साड़ियां, और उज्जैन के भैरवगढ़ का बटिक प्रिंट शामिल है।

मेट्रो एंकर | राष्ट्रीय प्रेस दिवस आज: तेंदूखेड़ा नगर के यूथ बोले अखबार आज भी प्रासंगिक

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है स्वतंत्र प्रेस

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

मीडिया या प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। सरकार को सावधान और सचेत करने का काम प्रेस करती है। ऐसे में प्रेस का स्वतंत्र रहना काफी जरूरी है। आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस है। दिन को मनाने का उद्देश्य यह है कि लोकतंत्र में प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका कैसे बनी रहे और वह कैसे जिम्मेदारों को सचेत करने का काम करती रहे। इसके साथ ही वह विपक्ष को भी उसकी जिम्मेदारियों का एहसास कराते रहे। नगर के यूथ की राय है कि संचार के अनेक साधनों, नई तकनीकों के बावजूद आज भी छपे हुए शब्दों का अपना अलग महत्व है।

युवाओं का कहना है कि घर के बड़े बुजुर्गों के कारण उन्हें भी चाय के साथ अखबार पढ़ने की आदत बन गई है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणामस्वरूप चार जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नंवबर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एवं विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एवं समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। यूथ की राय है कि पत्रकार और संपादकों की समाज को लेकर काफी बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें बिना किसी लोभ, प्रलोभन, भय या लालच के समाज की सच्चाइयों को उजागर करना चाहिए।

मीडिया के क्षेत्र में कई बार पीत पत्रकारिता, ब्लैकमेलिंग जैसी बातें भी सुनने में आती हैं लेकिन इनकी संख्या कम है। आज भी पत्रकारिता अपने आदर्शों का पालन कर रही है। यदि पत्रकारिता न रहे तो शायद सरकारें निरकुंश हो जाएं। वहीं कई घोटाले भी मीडिया की सक्रियता के कारण सामने आ पाते हैं

-पवन यादव, तेन्दूखेड़ा

अखबार जिस निचले स्तर तक की समस्याओं को उठा सकता है वह शायद चैनल आदि नहीं कर सकते। आज हर जिला मुख्यालय के अपने संस्करण हैं जो स्थानीय समस्याओं को उठाकर उनके निराकरण में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं।

-चेतन जैन, तेंदूखेड़ा

भले आज एक सेकेंड में कोई भी समाचार वीडियो सहित मिल जाता है लेकिन आज भी संतुष्टि समाचार पत्र को पढकर ही मिलती है। अखबार में छपी तस्वीरों का अपना अलग ही महत्व है

-आकाश साहू, तेंदूखेड़ा

समाचार पत्र में किसी मुद्दे को लेकर खबर प्रकाशित होने पर उसका असर होता है। कई बार पीत पत्रकारिता जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं लेकिन फिर भी पत्रकारिता आज भी मिशन की तरह ही काम कर रही है

-राहुल लोधी ठाकुर, तेंदूखेड़ा

ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका

एशेज सीरीज से पहले चोट के कारण जोश हुए पहले टेस्ट से बाहर

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज से पहला बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड शेफील्ड शील्ड में विक्टोरिया के खिलाफ होने वाले मैच के लिए न्यू साउथ वेल्स टीम से हट गए थे। स्कैन से पता चला है कि उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट लगी है। ऑस्ट्रेलिया ने माइकल नेसर को टीम में शामिल किया है। नेसर हेजलवुड और सीन एबॉट के कवर के तौर पर टीम से जुड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में बताया, जोश हेजलवुड का दोबारा स्कैन हुआ, जिससे हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की पुष्टि हुई है। बुधवार को हुए शुरुआती स्कैन में मांसपेशियों में खिंचाव नहीं पाया गया था, लेकिन अब स्कैन में चोट की पुष्टि हो गई है। नतीजतन हेजलवुड पर्थ नहीं जा पाएंगे और वह पहले एशेज टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। माइकल नेसर को पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। नेसर हेजलवुड और सीन एबॉट की जगह लेंगे। नेसर ने दो टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से उन्होंने 2021 में एडिलेड ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया था।

सेमीफाइनल में केंटा निशिमोता से हारे लक्ष्य सेन, जापान मास्टर्स में सफर हुआ समाप्त

कुमामोतो। भारत के स्टार एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन का जापान मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया है। लक्ष्य को सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोता से हार मिली और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। निशिमोता ने भारतीय शटलर को 77 मिनट में तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य निशिमोता से 19-21, 21-14, 12-21 से हार गए। सेन का अपने इस प्रतिद्वंदी के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा था, लेकिन अंतिम गेम में गलतियों के कारण वह इसको बेहतर करने में नाकाम रहे। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य ने शुरुआती गेम में मिली हार से उबरते हुए निर्णायक गेम तक का सफर तय किया, लेकिन तीसरे गेम में वह पूरी तरह से लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला दो बराबरी के खिलाड़ियों के बीच था लेकिन जापानी खिलाड़ी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच धैर्य बनाए रखा और आखिर में फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए प्लेयर रिटेंशन विंडो बंद

71 प्लेयर्स रिलीज, बचे 77 स्लॉट... रिटेंशन के बाद अब बारी है आईपीएल ऑक्शन की

नई दिल्ली , एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए प्लेयर रिटेंशन विंडो 15 नवंबर (शनिवार) को बंद हो गई। सभी 10 फ्रेंचाइजी टीम्स ने अपने-अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। आईपीएल रिटेंशन के बाद खिलाड़ियों के लिए ऑक्शन की बारी आने वाली है।10 टीमों की ओर से कुल मिलाकर 173 खिलाड़ियों को रिटेन किया गया है। इसके लिए 1012.45 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। रिटेन हुए खिलाड़ियों में 49 ऐसे हैं, जो दूसरे देशों के हैं। वहीं रिलीज किए गए खिलाड़ियों की संख्या 71 रही, जिसमें 32 विदेशी प्लेयर्स शामिल हैं।

आगामी मिनी ऑक्शन के लिए सभी 10 टीमों को मिलाकर कुल ?237.55 करोड़ रुपये का पर्स उपलब्ध होगा, जिसके जरिए अधिकतम 77 स्लॉट्स भरे जा सकेंगे। इनमें से विदेशी खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध स्लॉट्स केवल 31 है।

पिछले सीजन की उपविजेता पंजाब किंग्स ने सबसे ज्यादा 21 खिलाड़ी रिटेन किए हैं। जबकि मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटन्स ने 20-20 खिलाड़ी रिटेन किए। नियमों के अनुसार प्रत्येक टीम अधिकतम 25 खिलाड़ी रख सकती है, जिसमें विदेशी खिलाड़ी की संख्या 8 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

इस बार ऑक्शन में सबसे मजबूत पर्स कोलकाता नाइट राइडर्स के पास होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास 64.3 करोड़ रुपये बचे हैं और टीम अधिकतम 13 स्लॉट भर सकती है, जिनमें 6 विदेशी स्लॉट उपलब्ध हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के पास दूसरा सबसे बड़ा पर्स (43.4 करोड़ रुपये) उपलब्ध है और वो 9 खिलाड़ियों को खरीद सकती है।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों पर एक नजर डालते हैं...

चेन्नई सुपर किंग्स :16 खिलाड़ी रिटेन 7 4 विदेशी 7 कुल खर्च: 81.60 7 शेष पर्स: ?43.40
अंशुल कम्बोज, गुरजपनीत सिंह, *जेमी ओवर्टन, एमएस धोनी, मुकेश चौधरी, *नाथन एलिस, *नूर अहमद, रामकृष्ण घोष, संजू सैमसन (ट्रेड), ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), शिवम दुबे, श्रेयस गोपाल, खलील अहमद, आयुष म्हात्रे, *डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल।

दिल्ली कैपिटल्स :17 खिलाड़ी रिटेन 7 3 विदेशी 7 कुल खर्च: 103.20 7 शेष पर्स: 21.80
अभिषेक पोरेल, अजय मंडल, आशुतोष शर्मा, अक्षर पटेल (कप्तान), *दुष्मंथा चमीरा, करुण नायर, केएल राहुल, कुलदीप यादव, माधव तिवारी, *मिचेल स्टार्क, मुकेश कुमार, नीतीश राणा (ट्रेड), समीर रिजवी, टी. नटराजन, त्रिपुराना विजय, *ट्रिस्टन स्टब्स, विप्रज निगम।

गुजरात टाइटन्स: 20 खिलाड़ी रिटेन7 4 विदेशी 7 कुल खर्च: ?112.10 7 शेष पर्स: ?12.90
अनुज रावत, *ग्लेन फिलिप्स, गुरनूर सिंह बराड़, ईशांत शर्मा, जयंत यादव, *जोस बटलर, *कगिसो रबाडा, कुमार कुशाग्र, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद अरशद खान, निशांत सिंधु, प्रसिद्ध कृष्णा, आर. साई किशोर, राहुल तेवतिया, *राशिद खान, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शुभमन गिल (कप्तान), वॉशिंगटन सुंदर।

कोलकाता नाइट राइडर्स : 12 खिलाड़ी रिटेन7 2 विदेशी 7 कुल खर्च: 60.70 7 शेष पर्स:64.30
अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, अनुकूल रॉय, हर्षित राणा, मनीष पांडे, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, *रोवमन पॉवेल, *सुनील नरेन, उमरान मलिक, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

लखनऊ सुपर जायंट्स : 19 खिलाड़ी रिटेन 7 4 विदेशी 7 कुल खर्च:102.05 7 शेष पर्स:22.95
अब्दुल समद, *एडेन मार्करम, आकाश सिंह, अर्जुन तेंदुलकर (ट्रेड), अर्शिन कुलकर्णी, आवेश खान, आयुष बदोनी, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, मणिमारन सिद्धार्थ, *मैथ्यू ब्रीट्जके, मयंक यादव, मोहम्मद शमी (ट्रेड), *मिचेल मार्श, मोहसिन खान, *निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत (कप्तान), शाहबाज अहमद।

मुंबई इंडियंस (ट 20 खिलाड़ी रिटेन 77 विदेशी7 कुल खर्च: 122.25 7 शेष पर्स: 2.75
*अल्लाह गजनफर, अश्विनी कुमार, *कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, हार्दिक पंड्या (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, मयंक मार्कंडेय (ट्रेड), *मिचेल सेंटनर, नमन धीर, रघु शर्मा, राज अंगद बावा, रॉबिन मिंज, रोहित शर्मा, *रयान रिकेल्टन, शार्दुल ठाकुर (ट्रेड), *शेरफेन रदरफोर्ड (ट्रेड), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, *ट्रेंट बोल्ट, *विल जैक्स।

पंजाब किंग्स :21 खिलाड़ी रिटेन 7 6 विदेशी 7 कुल खर्च: 113.50 7 शेष पर्स: 11.50
अर्शदीप सिंह, *अजमतुल्लाह उमरजई, हरनूर पन्नू, हरप्रीत बराड़, *लॉकी फर्ग्यूसन, *मार्को जानसेन, *मार्कस स्टोइनिस, *मिचेल ओवेन, मुशीर खान, नेहाल वढेरा, प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, प्याला अविनाश, शशांक सिंह, श्रेयस अय्यर (कप्तान), सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, वैशाक विजयकुमार, *जेवियर बार्टलेट, यश ठाकुर, युजवेंद्र चहल।

राजस्थान रॉयल्स : 16 खिलाड़ी रिटेन 77 विदेशी 7 कुल खर्च: ?108.95 7 शेष पर्स: ?16.05
ध्रुव जुरेल, *डोनोवन फरेरा (ट्रेड), *जोफा आर्चर, *क्वेना मफाका, *लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, *नांद्रे बर्गर, रवींद्र जडेजा (ट्रेड), रियान पराग, *सैम करन (ट्रेड), संदीप शर्मा, *शिमरॉन हेटमायर, शुभम दुबे, तुषार देशपांडे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, युद्धवीर चरक।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : 17 खिलाड़ी रिटेन7 6 विदेशी 7 कुल खर्च: ?108.60 7 शेष पर्स: ?16.40
अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, *जैकब बेथेल, जितेश शर्मा, *जोश हेजलवुड, क्रुणाल पंड्या, *नुवान तुषारा, *फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), रसिख डार, *रोमारियो शेफर्ड, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, *टिम डेविड, विराट कोहली, यश दयाल।

सनराइजर्स हैदराबाद : 15 खिलाड़ी रिटेन 7 6 विदेशी 7 कुल खर्च: ?99.50 7 शेष पर्स: ?25.50
अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, *ब्रायडन कार्स, *ईशान मलिंगा, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, *हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन, जयदेव उनादकट, *कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, *पैट कमिंस (कप्तान), स्मरण रविचंद्रन, *ट्रेविस हेड, जीशान अंसारी

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता कार्तिक तीन साल के लिए प्रतिबंधित

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार को यूएस एंटी-डोपिंग एजेंसी ने तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है। उन्होंने इस प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। अमेरिका में प्रशिक्षण के दौरान लिए गए उनके दो आउट-ऑफ-कम्पटीशन नमूनों में प्रतिबंधित एनाबॉलिक एजेंट्स की मौजूदगी पाई गई थी। SADA को सूचना मिलने के बाद इसी साल 27 फरवरी को कार्तिक का परीक्षण किया गया। 19 मार्च 2025 को उनका दूसरा परीक्षण हुआ। दोनों नमूने पॉजिटिव पाए गए। SADA ने बयान में कहा, भारत के सहारनपुर के एथलीट कार्तिक कुमार ने कई प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव परीक्षण के बाद तीन साल के प्रतिबंध को स्वीकार किया है। हम ऐसे महत्वपूर्ण टिप्स के लिए आभारी हैं, जो हमें खेल की निष्पक्षता बनाए रखने में मदद करते हैं।

टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बने ऋषभ पंत, सहवाग-रोहित जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह इस प्रारूप में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। भारत के लिए पहली पारी में पंत ने दो छक्के और इतने ही चौके लगाए।

भारत की पहली पारी में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए पंत ने 24 गेंदों में 27 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से दो गगनचुंबी छक्के निकले। इसी के साथ वह टेस्ट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। अब उनके नाम 83 टेस्ट पारियों में 92 छक्के दर्ज हैं जबकि पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने 180 पारियों में 91 छक्के लगाए। इस मामले में तीसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैं जिन्होंने 116 पारियों में 8 छक्के ठोके। भारत ने पहली पारी में 189 रन बनाए और दक्षिण अफ्रीका पर 30 रनों की मामूली बढ़त हासिल की। भारतीय कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी करते हुए चोटिल हो गए थे जिस कारण वह रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे। इसके बाद वह बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके जिस कारण नौ विकेट गिरने के बाद भारत की पहली पारी समाप्त हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 159 रन बनाए थे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

प्रोमो देख हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे आप

फरहाना से खाना बनवाने के लिए शहबाज ने अपनाया नायाब तरीका

रियलिटी शो बिग बॉस 19 का एक नया प्रोमो रिलीज हुआ है। इसमें घरवालों के कैप्टन शहबाज बदेशा का अनोखा अंदाज देखने को मिल रहा है। शहबाज को फरहाना से किचन का काम करवाने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़ रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने अलग रूप धारण कर रखा है। इसे देख आप भी हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे।

शो के नए प्रोमो में शहबाज बदेशा को महिला के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें वो अपने सिर पर साड़ी का पल्लू रखे दिख रहे हैं। आपको बताते चलें कि शहबाज, फरहाना भट्ट की मां के किरदार का नाटक कर रहे हैं। वीडियो में शहबाज कहते हैं, 'आओ बेटा चलो खाना बना लो। बेटा अब्बूजान जग चुके हैं, चलों घरवालों के लिए खाना बना दो।' यह सुन फरहाना जोर-जोर से हंस रही हैं। आगे देखा जाता है कि फरहाना भट्ट ने कहा, 'पांच मिनट रूक जाओ मां।' फिर शहबाज ने कहा, 'मैं इतनी स्माइल के साथ बोल रही हूं। मेरे पिंक लिप्स देखो। मैं कैप्टन बना हूं, क्या-क्या करना पड़ रहा है।' यह सुन कुनिका सदानंद, अमाल मलिक सभी हंस पड़ते हैं।

वीकएंड का वार होने वाला है दिलचस्प

बिग बॉस 19 के इस वीकएंड का वार में डायरेक्टर रोहित शेट्टी बतौर मेहमान आने वाले हैं। साथ ही वह कई प्रतियोगियों की क्लास भी लगाते दिखेंगे। आज शनिवार को शो से कोई प्रतियोगी बाहर भी हो सकता है। इस बार कौन घर से बाहर जाएगा, यह जल्द ही पता चल जाएगा। अब शो में गौरव खन्ना, तान्या मित्तल, शहबाज, मालती चाहर, अशनूर और कुनिका सदानंद, अमाल मलिक, प्रणीत मोरे बचे हैं।

डाइनिंग विद कपूर्स' का ट्रेलर रिलीज रणबीर-करीना का दिखा मस्ती भरा अंदाज

बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपूर परिवार से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री जल्द ही दर्शकों को देखने को मिलेगी। हाल ही में इसका ट्रेलर सामने आया है। ट्रेलर में करीना कपूर से लेकर रणबीर कपूर तक बिल्कुल अलग अंदाज में दिखे। लेकिन आलिया भट्ट की गैर मौजूदगी फैंस को अखर गई।

डाइनिंग विद द कपूर्स% के ट्रेलर की शुरुआत में पूरा कपूर परिवार राजकपूर की 100वीं जयंती के मौके पर एक साथ आता है। सभी बताते हैं कि परिवार को खाने-पीने का शौक है। रणबीर को अपने कजिन के साथ कुकिंग करते हुए भी देखा।

सभी ने फैमिली से जुड़ी खास बातें शेयर कीं। रणबीर कपूर ट्रेलर में काफी मस्ती करते भी दिखे। वहीं करीना कपूर को गॉसिप जानने का शौक है, इस बात का खुलासा उनके कजिन ने किया।

डाइनिंग विद द कपूर्स के ट्रेलर में करीना कपूर के साथ सैफ अली खान भी नजर आए। वह कपूर खानदान के दामाद हैं। लेकिन रणबीर कपूर के साथ आलिया भट्ट नहीं दिखीं। कपूर परिवार के साथ एक्ट्रेस की गैरमौजूदगी फैंस को काफी खटकी। इस बात पर यूजर्स ने सवाल कर दिए। फैंस ने पूछा कि आलिया कहां है?

21 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विद द कपूर्स में कपूर परिवार के लोग कई बातों और यादों का जिक्र करेंगे। खासकर राज कपूर से जुड़ी यादें साझा की जाएंगी। यह डॉक्यूमेंट्री 21 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

अमेरिकी टैरिफ और सुस्त मांग का दोहरा झटका

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। कमोजर वैश्विक मांग और ऊंचे टैरिफ के बीच अक्तूबर में भारत के रत्न व आभूषण व्यापार में गिरावट देखी गई। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) ने यह जानकारी दी। जीजेईपीसी के आंकड़ों के अनुसार वैश्वि मांग में कमी, उच्च ब्याज दरों, आपूर्ति शृंघला में व्यवधान और तीव्र अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के कारण प्रमुख क्षेत्रों में निर्यात और आयात में गिरावट आई। आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर 2025 में कुल सकल निर्यात 30.57 प्रतिशत घटकर 2,168.05 मिलियन डॉलर (19,172.89 करोड़ रुपये) रह गया। यह एक साल पहले 3,122.52 मिलियन डॉलर था। आयात भी 19.2 प्रतिशत घटकर 1276.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11,299.6 करोड़ रुपये) रह गया, जो पिछले वर्ष इसी माह में 1580.13 मिलियन अमेरिकी डॉलर (13,276.26 करोड़ रुपये) था। कामा ज्वैलरी के प्रबंध निदेशक कॉलिन शाह ने कहा कि पहले लगाए गए व्यापार शुल्कों का प्रभाव अब महसूस किया जा रहा है। इससे लागत बढ़ गई है और खरीदारी कम हो गई है। उन्होंने बताया कि त्योहारों के बाद कंपनियां भी अपना स्टॉक कम-ज्यादा करके बाजार की स्थिति के हिसाब से काम कर रही हैं। घरेलू स्तर पर, सोने और हीरे की कीमतों में उतार-चढ़ाव, निर्यातकों के लिए सीमित वित्तपोषण और प्रयोगशाला में विकसित हीरा क्षेत्र में समायोजन ने आयात और निर्यात में कमी में योगदान दिया।

इंफोसिस ने जारी किया तिमाही बोनस कर्मचारियों ने कहा- पिछले बार से है कम

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की कंपनी इंफोसिस ने सितंबर तिमाही के लिए प्रदर्शन-आधारित भुगतान की घोषणा की। इसके तहत कर्मचारियों को उनके पात्र राशि का औसतन 75 प्रतिशत बोनस दिया है। हालांकि कर्मचारियों के अनुसार यह बोनस पिछली तिमाही में दिए गए बोनस से थोड़ा कम है। इस तिमाही बोनस चक्र के दौरान जॉब लेवल 4 के कर्मचारियों को प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग प्रतिशत में बोनस मिला है। कंपनी के स्टाफ के मुताबिक, उत्कृष्ट रेटिंग वालों को 83त्न, प्रशंसनीय वालों को 78.5त्न और अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले श्रेणी में आने वाले कर्मचारियों को 75त्न बोनस दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि जॉब लेवल नीचे होने पर पेआउट में गिरावट देखी गई, हालांकि सभी पात्र श्रेणियों का औसत 70.5त्न से 83त्न के बीच रहा। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि इस तिमाही में उनका बोनस अप्रैल-जून की अवधि में मिले बोनस से 5 से 7त्न कम है। उस तिमाही में, इन्फोसिस का औसत भुगतान 80त्न रहा, और व्यक्तिगत भुगतान 75 प्रतिशत से 89 प्रतिशत के बीच रहा। कंपनी ने इस बार जॉब लेवल 4, 5 और 6, जिनमें सॉफ्टवेयर इंजीनियर, टीम लीडर और सीनियर मैनेजर शामिल हैं तक बोनस बढ़ाया है। कुल 3.23 लाख कर्मचारियों में इन स्तरों का बड़ा हिस्सा शामिल है। इन सभी समूहों को उत्कृष्ट, प्रशंसनीय, अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले और एक गैर-लागू श्रेणी में बांटकर बोनस के लिए योग्य माना गया। आंतरिक संचार में कहा गया है कि कर्मचारियों के प्रदर्शन और योगदान के आधार पर तय किया गया है। कंपनी ने डिलीवरी मैनेजरों को अपनी-अपनी टीमों में मूल्यांकन के मुताबिक बोनस बांटने की जिम्मेदारी दी है।

न्यूज विंडो

बडगाम में दो वाहनों की भीषण टक्कर में चार लोगों की मौत

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर के बडगाम जिले में देर रात तेज रफ्तार डंपर और सूमो के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसमें कुछ लोगों के घायल होने की भी सूचना है। हादसा वाटरवानी-बडगाम रिंग रोड पर हुआ। अधिकारियों के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि सूमो वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव शुरू किया।स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान ले लिया है और शवों को कब्जे में लेकर उनकी पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उत्तर और मध्य भारत में तेजी से बढ़ रही ठंड,शीतलहर बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मौसम का तेजी से बदलता मिजाज परेशानी बढ़ा रहा है। उत्तर और मध्य भारत शीतलहर, कोहरे और गिरते पारे की चपेट में हैं, जबकि दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून के असर से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इससे स्वास्थ्य, खेती, यातायात और बिजली आपूर्ति पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर और मध्य भारत में ठंड का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। 16 और 17 नवंबर को शीतलहर की स्थिति सबसे अधिक दिखने की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे सुबह और रात के समय सर्दी का असर बेहद तीखा रहेगा।

जोधपुर में ट्रेलर ने टेंपो को मारी टक्कर, 6 की मौत

जोधपुर, एजेंसी। राजस्थान के जोधपुर जिले के बालेसर क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। एनएच-125 पर खारी बेरी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक टेंपो ट्रैवलर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल ज्यादातर यात्री गुजरात से रामदेवरा बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे।

अनोखा मिशन: अंतरिक्ष में भेजे गए 4 चूहे वापस आए

बीजिंग। अंतरिक्ष विज्ञान प्रयोग के नमूनों का नौवां बैच, जिसमें जीवन विज्ञान परीक्षणों में इस्तेमाल किए गए चार चूहे शामिल हैं। बीजिंग के स्पेस एप्लिकेशन इंजीनियरिंग सेंटर वापस आए।चीन अंतरिक्ष स्टेशन से शेनझोउ-21 अंतरिक्ष यान द्वारा चूहों को वापस लाया गया। जिसे आज सुबह चीनी वैज्ञानिकों को सौंप दिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेनझोउ-21 द्वारा चीन अंतरिक्ष स्टेशन से लौटाए गए नौवें बैच को बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि इसमें चार चूहे, जेब्रा फिश, प्लैनेरियन, हॉर्नवॉर्ट, ब्रेन ऑर्गेनॉइड और सूक्ष्मजीव स्ट्रेप्टोमाइस शामिल हैं। लैंडिंग के बाद चूहों को मौके पर संभाला गया।वापस आए नमूनों में 26 प्रायोगिक परियोजनाओं से संबंधित जीवन विज्ञान, पदार्थ विज्ञान और दहन प्रयोग के नमूने शामिल हैं।

गरुड़ 25: भारत-फ्रांस का शक्ति प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने द्विपक्षीय वायु अभ्यास गरुड़ 25 के 8वें संस्करण के आयोजन के लिए फ्रांस में एक टुकड़ी तैनात की है। इसका आयोजन 16 से 27 नवंबर तक मोंट-डे-मार्सन एयर बेस पर फ्रांसीसी वायु और अंतरिक्ष बल (एफएएसएफ) के साथ किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना की टीम 10 नवंबर को फ्रांस पहुंची। फ्रांस में दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच ऑपरेशनल तालमेल बढ़ाने के उद्देश्य से ज्वाइंट ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत हुई। इस साल के अभ्यास में भारतीय वायुसेना का एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान शामिल है। यह एफएएसएएफ के राफेल जेट विमानों के साथ ट्रेनिंग लेगा। भारतीय वायुसेना की परिचालन तैनाती में सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान शामिल है, जो लड़ाकू विमानों के लैंडिंग और टेकऑफ में मदद कर रहा है।

लालू की बेटी का आरोप- कल मुझे मारने के लिए चप्पल उठाई गई

रोहिणी का छलका दर्द, बोलीं- किसी घर में मेरी जैसी बेटी पैदा न हो

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार और परिवार व पार्टी में उथल-पुथल बीच आरजेडी में कुछ भी सही होता नजर नहीं आ रहा है। रोहिणी आचार्य के परिवार से नाता तोड़ने के ऐलान के बाद उनकी पोस्ट ने आज एक और हलचल मचा दी । उन्होंने इस पोस्ट में लिखा, 'कल एक बेटी, एक बहन , एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया , गंदी गालियां दी गईं, मारने के लिए चप्पल उठाई गई।' रोहिणी ने कहा, 'मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया , सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पड़ी।'

रोहिणी ने अपने पोस्ट में आगे कहा, 'कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए मां-बाप, बहनों को छोड़ आई। मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बना दिया गया। आप सब मेरे रास्ते कभी ना चलें , किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी -बहन पैदा न हो।

संजय-रमीज पर लगाया साजिश रचने का आरोप

इधर इस पूरे घटनाक्रम से लालू के परिवार की अंर्तकलह सबके सामने आ गई है। रोहिणी ने संजय यादव, रमीज और तेजस्वी यादव पर परिवार से अलग होने की साजिश रचने का आरोप लगाया। 2024 के लोकसभा चुनाव से ही राजनीति में कदम रखने वाली रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में दावा करते हुए कहा कि वह सारी गलती और सारे आरोप अपने ऊपर ले रही हैं, जैसा कि संजय यादव और रमीज ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा था। अब वह राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हैं।

संजय यादव को लेकर परिवार में रही है नाराजगी: दरअसल, लालू परिवार के दो सदस्य तेज प्रताप और रोहिणी, संजय यादव को लेकर खुलकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। आरोप है कि संजय यादव के चलते तेज प्रताप यादव को आरजेडी से बेदखल किया गया था। तेज प्रताप खुले तौर पर संजय यादव को इसके लिए जिम्मेदार मानते हैं और कई मौकों पर उन्हें 'जयचंद' कहकर निशाना साध चुके हैं।

तेजस्वी के खास हैं संजय और रमीज

रोहिणी जिन संजय यादव का नाम ले रही हैं, वह तेजस्वी यादव के सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में गिने जाते हैं। हरियाणा में जन्मे संजय यादव 2012 में राजद से जुड़े और 2024 में पार्टी ने उन्हें राज्यसभा भेजा। दूसरी ओर, रमीज को तेजस्वी का पुराना दोस्त बताया जाता है, जिनका संबंध उत्तर प्रदेश के एक राजनीतिक परिवार से है। रोहिणी ने आरोप लगाया कि इन्हीं दोनों ने उन्हें राजनीति और परिवार दोनों से दूर जाने को कहा।

ट्रंप ने कट्टर समर्थक मार्जोरी ग्रीन से तोड़ा नाता, कहा-

वह सिर्फ शिकायतें करती है, मेरा फोन नहीं उठातीं

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी कट्टर समर्थक मार्जोरी टेलर ग्रीन से संबंध तोड़ लिए हैं। प्रतिनिधि ग्रीन को सनकी बताते हुए ट्रंप बोले, वह अगले वर्ष मध्यावधि चुनावों में उनके प्रतिद्वंद्वी को समर्थन देंगे। मार्जोरी को किसी समय ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (मागा) कार्यक्रम का प्रतीक माना जाता था। ग्रीन संसद भवन और ट्रंप के बीच मध्यस्थता करती थीं। जॉर्जिया की इस नेता को ट्रंप ने अति वामपंथी कहते हुए कहा-हाल में ग्रीन ने सिर्फ शिकायतें ही कीं। वह मेरे ही फोन नहीं उठातीं। ग्रीन ने कहा, मैं एक चिड़चिड़े पागल का फोन नहीं उठा सकती।

मैं अमेरिकी राष्ट्रपति की पूजा नहीं करती- ग्रीन ने कहा, ट्रंप ने मुझ पर हमला किया और मेरे बारे में झूठ बोला। उन्होंने राष्ट्रपति को जेफ्री एपस्टीन की फाइलों पर गुस्सा भी जताया। ग्रीन ने लिखा, उन्होंने ट्रंप का समर्थन अपने बहुमूल्य समय और धन से किया है तथा उनके लिए तब भी कड़ी लड़ाई लड़ी है, जब लगभग सभी अन्य रिपब्लिकनों ने उनसे मुंह मोड़ लिया था और उनकी निंदा की थी। मैं ट्रंप की पूजा-सेवा नहीं करती।

मई से ही दोनों में शुरू हुई तकरार

ग्रीन का असंतोष मई में तब से शुरू हुआ जब उन्होंने घोषणा की थी कि वह डेमोक्रेटिक जॉन ओसॉफ के विरुद्ध सीनेट के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी। जून में, उन्होंने टकर कार्लसन का पक्ष लिया, जब ईरान में सत्ता परिवर्तन के संभावित अमेरिकी प्रयासों को लेकर मागा और राष्ट्रीय सुरक्षा कट्टरपंथियों के बीच उभरे मतभेद में ट्रंप ने टिप्पणीकार को पागल कहा था। आगे मतभेद और गहरा गए।

ग्रीन से सुझाव पर ट्रंप बोले, वे रास्ता भटक गईं हैं

ग्रीन ने एनबीसी न्यूज को बताया कि ट्रंप को हाल ही में विदेशी मामलों पर जोर देने के बजाय अपने देश में बढ़ती कीमतों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। ट्रंप ने जवाब में कहा कि ग्रीन अपना रास्ता भटक गई हैं। फ्लोरिडा जाते वक्त ट्रंप से ग्रीन के बारे में पूछने पर वह बोले, लोग मुझे फोन कर जॉर्जिया में अगले मध्यावधि चुनाव में ग्रीन को चुनौती देना चाहते हैं। ग्रीन ने एक शानदार रूढ़िवादी की प्रतिष्ठा खो दी है।

मेक्सिको सिटी में सड़कों पर उतरे जेनरेशन जेड अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ फूटा गुस्सा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको सिटी में सरकार के खिलाफ जेनरेशन जेड का गुस्सा फूट पड़ा है। हजारों की संख्या में जेन जेड सड़कों पर उतर आए। यह विरोध प्रदर्शन बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और दंड से मुक्ति को लेकर हो रहा है। यह प्रदर्शन जनरेशन जेड के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे वहां के विपक्षी दलों के पुराने समर्थकों ने भी अपना समर्थन दिया। विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। इसमें कई लोग घायल हो गए। और दर्जनों को हिरासत में लिया गया।

हमास-इजराइल के बीच दो साल चला युद्ध

सफाई अभियान जोरों पर: गाजा को फिर से खड़ा करने में जुटे लोग

गाजा , एजेंसी

गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच दो साल के युद्ध के बाद यहां के हालात को दैनिक जनजीवन के लिए फिर से सामान्य करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसके लिए कई स्वयंसेवकों ने एक व्यापक अभियान शुरू किया है। वे बारिश के मौसम की चुनौतियों का सामना करते हुए, क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने और सड़कों पर जमा मलबे को हटाने के लिए गाजा शहर की स्वच्छता में जुटे हैं। गाजा नगर निगम ने यह अभियान चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर और फिलिस्तीनी एनजीओ नेटवर्क के साथ मिलकर शुरू किया है। नगर निगम का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों में उम्मीद जगाना और उन्हें शहर के पुनर्निर्माण में जोड़ना है। नगर निगम के

जनसम्पर्क अधिकारी होस्नी मुहन्ना ने सिन्हुआ को बताया कि इस पहल के जरिए कचरा और मलबा हटाया जा रहा है, सड़कों के किनारे पौधे लगाए जा रहे हैं और युद्ध से उजड़े शहर को फिर से सुंदर बनाने की कोशिश की जा रही है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार गाजा शहर के महापौर याह्या अल-सराज ने बताया है कि इस अभियान का मकसद यह दिखाना है कि फिलिस्तीनी अपनी भूमि पर डटे रहेंगे और इजरायल दमन उन्हें तोड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा कि युवाओं, पुरुषों, बच्चों और बुजुर्गों को एक साथ काम करते देखकर दुनिया को संदेश जाता है कि गाजा फिर से जीवन पा सकता है।

अनंतनाग में छापा: हरियाणा की डॉक्टर प्रियंका जांच के दायरे में

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल मामले की जांच के सिलसिले में काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर ने देर रात एक डॉक्टर के घर पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, सीआईके की टीम ने अनंतनाग के मलखनाग इलाके में स्थित डॉक्टर के आवास पर रात में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान घर में हरियाणा की एक महिला डॉक्टर किरायेदार के रूप में रह रही पाई गई।सीआईके अधिकारियों ने घर से एक मोबाइल फोन जब्त किया, जिसे आगे की फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

इसी बीच, टेरर मॉड्यूल केस में पूछताछ के लिए पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए ड्राई फ्रूट कारोबारी बिलाल अहमद वानी ने काजीगुंड क्षेत्र में खुद को आग लगाने की कोशिश की। अधिकारियों के अनुसार, बिलाल को तुरंत जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उनका बेटा जसिर बिलाल अभी भी पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में है।बिलाल अहमद, डॉक्टर मुजफ्फर राथर का पड़ोसी है, जो इस 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' मामले में एक प्रमुख आरोपी बनकर उभरा है। मुजफ्फर के अफगानिस्तान में छिपे होने का अनुमान है। वहीं उसके छोटे भाई, डॉक्टर अदील राथर को 6 नवंबर को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था।

मेट्रो एंकर सात और प्रक्षेपण करने की तैयारी, पहले मानव अंतरिक्ष यान की तैयारी भी जोरों पर

अंतरिक्ष यान उत्पादन बढ़ाकर तीन गुना करेगा इसरो

बंगलूरू, एजेंसी

इसरो सात और प्रक्षेपण करने की योजना बना रहा है। साथ ही इसरो अपना पहला मानव अंतरिक्ष यान 2027 में भेजने की भी तैयारियों में जुटा है। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने एक इंटरव्यू में बताया कि इसरो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग क्षमता बढ़ाने की दिशा में तेजी से विस्तार कर रहा है। नारायणन ने कहा कि इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) चालू वित्तीय वर्ष के अंत से पहले सात और प्रक्षेपणों का लक्ष्य बना रहा है, जिनमें एक वाणिज्यिक संचार उपग्रह और कई पीएसएलवी और जीएसएलवी मिशन शामिल हैं।

इसरो चेयरमैन ने बताया कि भारत में निर्मित पहले पीएसएलवी का प्रक्षेपण भारतीय

अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक मील का पत्थर होगा। इसरो प्रमुख ने कहा कि सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। यह भारत का अब तक का सबसे मुश्किल चंद्र अभियान होगा। इसरो ने साल 2028 में चंद्रयान-4 मिशन लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। चंद्रयान-4 मिशन के जरिए इसरो चंद्रमा से नमूने वापस लाने का प्रयास करेगा। अभी तक यह उपलब्धि वर्तमान में केवल अमेरिका, रूस और चीन ही कर सकते हैं।

इसके अलावा इसरो का एक अन्य प्रमुख मिशन लूपेक्स है, जो इसरो का जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ संयुक्त अभियान है। लूपेक्स का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पानी की बर्फ का अध्ययन करना है। इसरो बढ़ती मिशन मांग के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्ष यान उत्पादन को बढ़ाकर तिगुना करने पर भी काम कर रहा है। नारायणन ने कहा कि इसरो ने एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पर काम शुरू कर दिया है, जिसे 2035 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564